नवजीवन प्रेस लखनऊ

वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखे
2016-17

संस्थापक

श्रद्धेय श्री चन्द्रभानु गुप्त

मुख्यालय

मोती महल–2, राणा प्रताप मार्ग, लखनऊ

भारत सेवा संस्थान
लखनऊ

वार्षिक रिपोर्ट व अंकेक्षित लेखे वर्ष -2016-17

स्वतंत्र भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं0 जवाहरलाल नेहरू के पिता देश के अग्रणी सपूत पं0 मोतीलाल नेहरू की पुण्य स्मृति में प्रातः स्मरणीय श्री चन्द्रभानु गुप्त सहित अग्रणी स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा सन् 1934–35 में संस्थापित मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी ने ही अपनी एक इकाई के रूप में, सोसाइटी के उद्देश्यों की पूर्ति एवं राष्ट्र के सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक व आर्थिक क्षेत्रों के बहुमुखी उत्थान एंव समाज के कमजोर, निर्बल एवं असहाय लोगों की सहायता के उद्देश्य की पूर्ति हेतु सन् 1959 में भारत सेवा संस्थान का एक शाखा के रूप में गठन किया गया। वर्ष 1964 तक संस्थान के कार्य–कलापों में अधिक वृद्धि हो जाने के कारण तत्कालीन अध्यक्ष मा0 चन्द्रभानु गुप्त के सत् प्रयासों से भारत सेवा संस्थान का एक स्वतंत्र समाजसेवी संस्था के रूप में सोसाइटीज रजिस्ट्रेशन ऐक्ट 1860 के अंतर्गत विधिवत् पंजीकरण मार्च 1964 में कराया गया, (रजिस्ट्रेशन नं0 983/1963–64)। इसका नवीनीकरण दिनांक 10.10.15 से पांच वर्ष के लिए किया जा चुका है।

भारत सेवा संस्थान के प्रशासन परिषद की वर्ष 2016–17 के सदस्यों की सूची

क्रमांक	नाम /पता	व्यवसाय/पद	सदस्यता
1	मा0 श्री भगवती सिंह डी0 2/2 रीवर बैंक कालोनी, लखनऊ।	पूर्व संसद सदस्य (राज्यसभा) पूर्व मंत्री, उ0प्र0	अध्यक्ष 9415158674
2	डा0 दाऊजी गुप्ता नन्द निकेतन नाका हिण्डोला, लखनऊ।	पूर्व एम0एल0सी0 एवं पूर्व महापौर, लखनऊ	उपाध्यक्ष 9415020354
3	डा0 अशोक बाजपेई 23–सी बटलर पैलेस कालोनी लखनऊ	पूर्व कृषि एवं धर्मार्थ मंत्री, उ0प्र0	कोषाध्यक्ष 2207310 9415017429
4	डा0 जे0एन0मिश्र ई–1632, राजाजीपुरम, लखनऊ।	पूर्व प्रोफे0 राजकीय आयुर्वेदिक कालेज, लखनऊ	महामंत्री 9335907614
5	श्री शान्तिभूषण बी–16, सेक्टर–14, नोएडा, उ0प्र0	सीनियर एडवोकेट (सुप्रीम कोर्ट) पूर्व केन्द्रीय विधि एंव न्याय मंत्री	संस्थापक सदस्य 9811038510
6	श्री मुन्ना लाल अग्रवाल 43/132, नवल किशोर रोड, लखनऊ	एडवोकेट आयकर, लखनऊ	संस्थापक सदस्य 9044506121 9335928554
7	श्री उमाकान्त मिश्र 2/50 विनीत खण्ड गोमतीनगर, लखनऊ।	प्रवक्ता (अ0प्र0)	संस्थापक सदस्य 2727877
8	श्री आर0सी0त्रिपाठी ए–1055 इन्दिरा नगर, लखनऊ	आई0ए0एस0 (अ0प्र0) पूर्व महासचिव (राज्यसभा) भारत सरकार	संस्थापक सदस्य 0522-2353132

9	श्री सरनाम सिंह एम–6/एल–17, अलीगंज, लखनऊ	पूर्व प्रशासनिक अधिकारी स्वास्थ्य विभाग	संस्थापक 9450282439 9793532559
10	डा0 रघुबीर सिंह रावत(भा0व0से0) 188/1, दून वैली औफिसर्स हाउसिंग सोसाइटी,वसंतविहार,देहरादून–248006, उत्तराखण्ड	प्रमुख वन सरंक्षक (अ0प्र0)उत्तराखण्ड अध्यक्ष अधीनस्थ सेवा चयन आयोग उत्तराखण्ड सरकार	संस्थापक 9412051550
11	डा0 फिदाहुसैन अंसारी 5, शेखपुरा कालोनी अलीगंज, लखनऊ	पूर्व अध्यक्ष, उच्च शिक्षा चयन आयोग, उ0प्र0	संस्थापक 9415190415
12	डा0टी0पी0सिंह 5/315, विराम खण्ड, गोमतीनगर लखनऊ	पूर्व निदेशक, बलरामपुर अस्पताल लखनऊ	संस्थापक 9335906198
13	श्री विनय कृष्णा ए–25, निराला नगर, लखनऊ–226020	मुख्य अभियन्ता (सेवानिवृत्त) सिंचाई विभाग व पूर्व प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0लघु पनबिजली योजना निगम।	निर्वाचित सदस्य 0522–2787060 9415017897
14	डा0 मधु गुप्ता 169, फैजाबाद रोड, लखनऊ	प्रख्यात स्त्री रोग विशेषज्ञ एवं एम0एल0सी0 तथा समाज सेविका	निर्वाचित सदस्य 9415023201
15	श्री शिव सहाय जायसवाल एच0एस0 1/29 ए, सीतापुर रोड, लखनऊ	वैयक्तिक सहायक (सेवानिवृत्त) समाज कल्याण विभाग, उ0प्र0।	निर्वाचित सदस्य 9415799789
16	श्री अरूण कुमार मं0न0–6/174, विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ।	क्षेत्रीय प्रमुख (सेवानिवृत्त) हुडको उपक्रम भारत सरकार।	निर्वाचित सदस्य 9453370834
17	डा0 राजेन्द्र प्रसाद ए–28, सेक्टर–जे, अलीगंज, लखनऊ।	पूर्व निदेशक, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान एवं डा0 बी0सी0राय एवार्ड द्वारा सम्मानित।	निर्वाचित सदस्य 9415021590

<u>वर्तमान में संस्थान की इकाईयां तथा अन्य समाज सेवी कार्य-:</u>

1. आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय, 10 अशोक मार्ग, लखनऊ।
2. चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र, 10–अशोक मार्ग, लखनऊ।
3. लाजपतराय पुस्तकालय एवं वाचनालय, कैसरबाग, लखनऊ ।
4. चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास योजना एवम् शोध केन्द्र, कोटवा सड़क, हथौंधा, जिला–बाराबंकी।
   (क) प्रशिक्षण कार्यक्रम
   (ख) जनस्वास्थ्य कार्यक्रम
   i-होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी
   ii-चन्द्रभानु गुप्त ऑख अस्पताल
   iii-सामान्य रोगी चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी, दंत चिकित्सा।
5. सी0बी0गुप्ता होम्योपैथिक चिकित्सालय, सेवाकुटीर, पानदरीबा लखनऊ।
6. चन्द्रभानु गुप्त वाचनालय एवं संग्रहालय, चन्द्रभानु गुप्त नगर (पानदरीबा), लखनऊ।
7. सी0बी0गुप्ता टी0बी0 क्लीनिक, चन्द्रभानु गुप्त नगर, (पानदरीबा, लखनऊ)।
8. छोटे लोहिया, जनेश्वर मिश्र, सार्वजनिक पुस्तकालय, बख्शी का तालाब, लखनऊ।
9. सी0बी0गुप्ता बी0एस0एस0 महाविद्यालय, चन्द्रावल, लखनऊ। **अन्य समाजसेवी कार्य।**

माननीय श्री भगवती सिंह
पूर्व सांसद-राज्य सभा
अध्यक्ष, भारत सेवा संस्थान

माननीय डॉ0 दाऊजी गुप्ता
पूर्व महापौर एवं विधान परिषद सदस्य
उपाध्यक्ष, भारत सेवा संस्थान

माननीय डॉ0 अशोक बाजपेयी
विधान परिषद सदस्य एवं पूर्व मंत्री, उ.प्र.
कोषाध्यक्ष, भारत सेवा संस्थान

माननीय डॉ0 जे0एन0 मिश्रा
पूर्व विभागाध्यक्ष (आयुर्वेद), लखनऊ विश्वविद्यालय
अवै. महामंत्री, भारत सेवा संस्थान

वितीय वर्ष 2016-17 में संस्थान द्वारा विभिन्न इकाईयों में किये गये कार्यो का विवरण

1. आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय, 10-अशोक मार्ग, लखनऊ।

आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय की स्थापना वर्ष 1959 में उ0प्र0 के भूतपूर्व मुख्यमंत्री श्री चन्द्रभानु गुप्त के प्रयासों से की गयी थी। प्रारम्भ में यह शैक्षिक पुस्तकालयों की श्रेणी में ही आता था, क्योंकि इसकी स्थापना विशेष रूप से छात्र–छात्राओं (स्नातक एवं उसके ऊपर के छात्रों को वांछित पाठन सामग्री उपलब्ध कराना रहा था। तब यह पुस्तकालय 2–राणा प्रताप मार्ग, मोतीमहल परिसर में मोतीमहल के पश्चिमी ओर स्थित एक दो मंजिली इमारत में हुआ करता था। धीरे–धीरे छात्र–छात्राओं के अतिरिक्त सामान्य पाठकों को भी यहॉ पुस्तकें व अन्य पठन–पाठन सामग्री उपलब्ध करायी जाने लगी। पुस्तकों के अतिरिक्त अंग्रेजी, हिन्दी, उर्दू के समाचार–पत्र व पत्रिकाएं भी छात्र–छात्राओं के अतिरिक्त सामान्य पाठकों को उपलब्ध करायी जाने लगी और आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय जो मूलतः शैक्षिक पुस्तकालय था, के साथ–साथ सार्वजनिक पुस्तकालय भी बन गया। अतः अगर यह कहा जाय कि आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय मात्र शैक्षिक पुस्तकालय ही नहीं एवं सार्वजनिक पुस्तकालय भी है और इस पुस्तकालय की गिनती शहर के सार्वजनिक प्रारम्भिक पुस्तकालय में की जाती है।

लोकेशन :– स्थापना के समय आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय को मोतीमहल, 2–राणा प्रताप मार्ग पर स्थापित किया गया था जो लखनऊ विश्वविद्यालय के काफी निकटवर्ती था, ताकि विश्वविद्यालय के छात्र–छात्राओं को अधिकाधिक लाभान्वित किया जा सके। किन्तु सार्वजनिक पुस्तकालय का स्वरूप ले लेने के बाद इसे लखनऊ शहर के सर्वाधिक अच्छी लोकेशन माने जाने वाले हजरतगंज एरिया में 10–अशोक मार्ग पर वर्ष 1984 में श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त नवचेतना केन्द्र में स्थापित कर दिया गया। आज समाजवादी विचारक आचार्य नरेन्द्रदेव के नाम पर स्थापित यह पुस्तकालय नवचेतना केन्द्र बहुमंजिली इमारत के पंचम, षष्ठम एवं सप्तम् तल पर स्थित है।

पुस्तकालय प्रबन्ध तन्त्र :- आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय भारत सेवा संस्थान द्वारा संचालित होता है जिसके संचालन हेतु एक प्रबन्ध समिति है। मुख्यालय स्तर पर इसके शीर्षस्थ अधिकारी अध्यक्ष (माननीय श्री भगवती सिंह), उपाध्यक्ष (डा0 दाऊजी गुप्त), महासचिव (डा0 जे0एन0मिश्रा) तथा कोषाध्यक्ष (माननीय डा. अशोक बाजपेई) हैं।

1-उद्देश्य

1. पुस्तकालय की स्थापना का मुख्य उद्देश्य सामान्य पाठकों को पुस्तकालीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ विशेष रूप से छात्र–छात्राओं (स्नातक एवं उसके ऊपर) को आवश्यक पठन–सामग्री उपलब्ध कराना है।
2. छात्र–छात्राओं को प्रतियोगिताओं हेतु वांछित सामग्री उपलब्ध कराना।
3. शोध छात्र–छात्राओं को पुस्तकालीय विशेष सुविधाओं को उपलब्ध कराना।

4. पुस्तकालय विज्ञान में डिप्लोमा, स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम कर रहें छात्र–छात्राओं को पुस्तकालय का व्यवहारिक प्रशिक्षण प्रदान किया जाना।
5. सामान्य पाठकों को पुस्तकालय में प्रतिदिन मंगाये जाने वाले हिन्दी, अंग्रेजी, उर्दू के समाचार पत्रों एवं पत्रिकाओं के माध्यम से उनके सामान्य ज्ञान को अपटूडेट रखना।

2–**पुस्तकालय खुलने एवं बन्द होने का समय** :–

खुलने का समय : प्रातः 11:00 बजे

बन्द होने का समय : सांय 6:00 बजे

(प्रत्येक रविवार व सार्वजनिक अवकाश के दिन पुस्तकालय नहीं खुलता है। इसके अतिरिक्त किसी आकस्मिकता पर पुस्तकालय बन्द किया जा सकता है।)

3-पुस्तक संग्रह :- पुस्तकालय के एक्सेशन रजिस्टर के अनुसार वित्तीय वर्ष 2015–16 में 31 मार्च तक जहां पुस्तकालय की कुल पुस्तकों की संख्या 1,37,170 थी वहीं वित्तीय वर्ष 2016–17 में क्रय की गई एंव राजाराम मोहनराय फाउंडेशन की दानस्वरूप पुस्तकों को सम्मिलित करते हुए कुल 823 पुस्तकों की बढ़ोत्तरी हुई जिनका भाषावार विवरण निम्नवत् है :–

हिन्दी भाषा की क्रय की गयी पुस्तकों की संख्या	–	333	
हिन्दी भाषा में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकों की संख्या	–	33	
अंग्रेजी भाषा की क्रय की गयी पुस्तकों की संख्या	–	174	
अंग्रेजी भाषा में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकों की संख्या		–	88
उर्दू भाषा में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकें	–	.....	
बालकक्ष की हिन्दी में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकें	–	.....	
बालकक्ष की अंग्रेजी में दानस्वरूप प्राप्त पुस्तकें	–	**195**	
	योग	**823**	

राजाराम मोहनराय फाउंडेशन कोलकाता से प्राप्त पुस्तकें = 195

4-राजाराम मोहनराय फाउंडेशन संग्रह :- राजाराम मोहनराय फाउंडेशन, कोलकाता द्वारा उ0प्र0 सरकार द्वारा स्थापित पुस्तकालय कोष्ठक के माध्यम से प्रतिवर्ष पुस्तकालय को समुचित मात्रा में पुस्तकें निःशुल्क प्राप्त होती हैं। जिनका गत तीन वर्षों का विवरण निम्नवत् हैः–

1.	वित्तीय वर्ष 2014–15 में कुल प्राप्त पुस्तकें	–	373
2.	वित्तीय वर्ष 2015–16 में कुल प्राप्त पुस्तकें	–	376
3.	वित्तीय वर्ष 2016–17 में कुल प्राप्त पुस्तकें	–	195

5-पुस्तकालय के सदस्य :- आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में सम्प्रति निम्नलिखित 02 प्रकार की सदस्यता उपलब्ध है :–

		रुपया	**रुपया**
1.	विद्यार्थी सदस्यता	250/प्रतिभूति	150/–सदस्यता शुल्क
2.	सामान्य सदस्यता	500/प्रतिभूति	250/–सदस्यता शुल्क

उपरोक्त 2 श्रेणियों के अतिरिक्त पुस्तकालय में पाठकों को एक विशेष सुविधा दी गयी है जिसमें रुपया 25/– (प्रतिमाह के आधार पर) लघु समय के लिए पाठकों को सदस्यता प्रदान की जाती है और अपनी आवश्यकतानुसार अपनी सदस्यता एक माह से लेकर आगे जहां तक उसकी आवश्यकता हो प्रतिमाह उसे बढ़ाते रहते हैं।

वर्ष 2016–17 में पुस्तकालय में 1041 सदस्य बनाये गये जो निम्नलिखित है :–

विद्यार्थी सदस्य	:	07
सामान्य सदस्य	:	55
रीडिंग कार्ड	:	979
		1041

6–पुस्तकालय में आने वाले समाचार प्त्र

आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में वित्तीय वर्ष 2016–17 में नियमित रूप से दैनिक जागरण, राष्ट्रीय सहारा, अमर उजाला, हिन्दुस्तान, जनसत्ता, तथा दिल्ली से प्रकाशित होने वाला पंजाब केसरी सहित हिन्दी के 7 दैनिक समाचार पत्र पाठकों को उपलब्ध कराये जाते रहे हैं। अंग्रेजी भाषा में पुस्तकालय में नियमित मंगाये जाने वाले 7 दैनिक समाचार पत्र पायनियर, टाइम्स आफ इंडिया, इंडियन एक्सप्रेस, बिजनेस स्टैण्डर्ड, हिन्दुस्तान टाइम्स तथा दिल्ली से प्रकाशित होने वाले स्टेट्समैन, हिन्दू नियमित रूप से पाठकों को उपलब्ध कराया जाता रहा है। वर्णित हिन्दी व अंग्रेजी समाचार पत्रों के अतिरिक्त उर्दू भाषा में लखनऊ से प्रकाशित समाचार पत्र ''आग'' दैनिक मंगाकर उर्दू पाठकों को उपलब्ध कराया जा रहा है।

7–पुस्तकालय में आने वाली पत्रिकायें :–

उपरोक्त समाचार पत्रों के अतिरिक्त आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में पाठकों के उपयोगार्थ अनेक साप्ताहिक/पाक्षिक/मासिक पत्रिकायें वर्ष 2016–17 में मंगाई जाती हैं। जिनमें इंडिया टुडे, रोजगार समाचार, आउटलुक हिन्दी की साप्ताहिक पत्रिकाओं के अतिरिक्त कादम्बिनी, प्रतियोगिता दर्पण, विज्ञान प्रगति, योजना क्रानिकल सामयिकी, कम्प्यूटर संचार सूचना, कुरूक्षेत्र, आह जिंदगी तथा कल्याण मासिक पत्रिकायें भी पुस्तकालय में आती रहीं। अंग्रेजी की पत्रिकाओं में पुस्तकालय में इंडिया टुडे, इम्प्लायमेंट न्यूज, टाइम, आउटलुक, साप्ताहिक पत्रिकाओं के अतिरिक्त कम्पटीशन सक्सेज, सांइज रिपोर्टर, रीडर डाइजेस्ट, नेशनल जियोग्राफी, इलेक्ट्रानिक फार यू मासिक पत्रिकायें तथा बिजनेस इंडिया, फ्रन्टलाइन फोर्ट नाइटली पत्रिकायें भी पुस्तकालय में आती हैं।

उल्लेखनीय है कि उपरोक्त पत्रिकाओं में अनेक प्रतियोगी पत्रिकायें हैं, जिन्हें विशेष रूप से विभिन्न प्रतियोगिताओं में बैठने वाले छात्र–छात्राओं के लिए चयनित किया गया। इन प्रतियोगी पत्रिकाओं के अतिरिक्त हिन्द का साप्ताहिक रोजगार समाचार जिसका अंग्रेजी रूपांतर इम्प्लायमेंट न्यूज प्रति सप्ताह प्रकाशित होता है पुस्तकालय में रोजगार तलाश करने वाले युवा/युवतियों के लिए पुस्तकालय में पूरे वर्ष ग्राहकता जारी रखी।

8-प्रतियोगिता पुस्तकें -

मनोरमा इयरबुक (हिन्दी–अंग्रेजी), इंडिया, भारत, उत्तर प्रदेश, सामान्य अध्ययन, घटनाचक्र, रेलवे भर्ती बोर्ड परीक्षा, तकनीकी ट्रेड, अध्यापक पात्रता परीक्षा, इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा, एस0एस0सी0*C.S.A.T, U.G.C. NET/SET, SCC COMBIND GRADUATE LEVEL PRELIMINERY EXAM, M.B.A ADMISSION TEST, IBPS INSTITUTE OF BANKING PERSONNEL SELECTION, SSC JOINT HIGHER SECONDARY EXAM, CPMT EXPLORER, GMT GRADUATE MANAGEMENT ADMISSION TEST, IBPS PO/MT, AIEEE, M.Lib.Sc.Guide, IAS& PCS JOINT, GRE, HOTEL MANAGEMENT, STATE BANK P.O., QUANTITATIVE APTITUDE NUMERICAL ABILITY., TOEFL, IELTS PRACTICE EXAM, NIFT/NID/IIFT, आदि प्रतियोगिता संबंधी पुस्तकें छात्र–छात्राओं को परीक्षा में सफल होने के लिए उपलब्ध करायी जाती है।

9-पुस्तकों की कैटेलागिंग एवं क्लासिफिकेशन :-

विदित हो कि आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में पुस्तकों का वर्गीकरण (क्लासिफिकेशन) डेवीडिसिमल क्लासिफिकेशन स्कीम द्वारा किया गया है तथा वित्तीय वर्ष 2016–17 में पुस्तकालय में 595 पुस्तकों का क्लासिफिकेशन व कैटालागिंग की गयी। क्लासिफिकेशन के उपरांत इनकी कैटेलागिंग कटर स्कीम के तहत पूरी कर कार्डों को डिक्शनरी आर्डर में समायोजित किया गया है। नई पुस्तकों के अतिरिक्त वित्तीय वर्ष 2016–17 में लगभग 466 पुस्तकें जिनकी बाइंडिंग होकर आयी थी उनकी लेवलिंग, नंबरिंग, जैकेट व स्लिप आदि लगाकर पुनः संग्रहित किया गया।

10-पुस्तकों की जिल्दबन्दी :-

पुस्तकों के लगातार प्रयोग से अनेक पुस्तकों की जिल्दें फट जाती हैं। पुस्तकालय में उन्हें पुनः सुरक्षित रखने हेतु उनकी जिल्दबन्दी कराना आवश्यक हो जाता है। वित्तीय वर्ष 2016–17 में पुस्तकों की जिल्दबन्दी पर कुल रु0 29,824/– व्यय किया गया तथा 466 पुस्तकों की जिल्दबन्दी करायी गई।

11-फोटोकापी की सुविधा :-

पुस्तकालय में दो वर्ष पूर्व एक फोटोकापियर खरीदा गया था जो कार्यरत् है जिसमें रु0 1/–प्रति कापी की दर से पाठकों को फोटोकापियां उपलब्ध करायी जाती है।

12-पुस्तकालय द्वारा व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाना :–

आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में राजकीय पालिटेक्निक लखनऊ, श्री रामदेवी रामदयाल त्रिपाठी महिला पालीटेक्निक, कानपुर एवं राजकीय पालिटेक्निक, लखनऊ द्वारा भेजे गये छात्र/छात्राओं को ''पुस्तकालय विज्ञान'' का चार सप्ताह का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इन छात्र/छात्राओं को वर्गीकरण, सूचीकरण, पुस्तक क्रय, पुस्तकों का आदान–प्रदान, एवं सभी कक्षों से संबंधित जानकारी प्रदान की गयी।

13-बजट :– आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय का वार्षिक तीन वर्षों का बजट निम्नवत् रहा।

वर्ष	**रुपयों में**
2014–15	28,32,000.00
2015–16	31,09,000.00
2016–17	31,09,000.00

उपरोक्त बजट में भारत सेवा संस्थान द्वारा स्वीकृत धनराशि के साथ उ0प्र0 सरकार से प्रतिवर्ष रु0 2,00,000.00 की धनराशि दो किस्तों में प्राप्त होती रही है।

14-स्वचालित अग्निसूचक यंत्र :-

अग्नि के प्रकोप से बचाव हेतु माह जनवरी–फरवरी 2015 में आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में स्वचालित अग्निसूचक यंत्र लगा दिए गये हैं। अब यदि पुस्तकालय के किसी भाग में आग लग जाये तो इसमें लगे सेंसर धुएं की बढ़ी मात्रा से स्वयं ऐक्टीवेट हो जायेगें और यंत्र के साथ जुड़े सभी सायरन बज उठेगें। इस व्यवस्था के लग जाने से अग्नि से पुस्तकों व जान की सुरक्षा में सतर्कता मिलेगी।

15-संविधान सभा के दुर्लभ चित्र का अनावरण :-

आचार्य नरेन्द्र देव पुस्तकालय में 09 दिसम्बर 2016 को अपराह्न 03 बजे भारतीय संविधान सभा के प्रथम अधिवेशन में सम्मिलित लगभग 360 सदस्यों के दुर्लभ छायाचित्र का अनावरण माननीय श्री भगवती सिंह, पूर्व सांसद (राज्य सभा) एवं अध्यक्ष भारत सेवा संस्थान के द्वारा किया गया था। इस अवसर पर भारत सेवा संस्थान के महामंत्री डा0 जे0एन0 मिश्र द्वारा संविधान सभा के छायाचित्र के संबंध में विस्तारपूर्वक अवगत कराया गया। इस अवसर पर शहर के अनेकों गणमान्य एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति उपस्थित थे।

16-विचार मंच के कार्यकलाप :-

श्रद्धेय श्री चन्द्रभानु गुप्त जी ने समाज के बहुमुखी विकास को दृष्टि में रखते हुए लखनऊ नगर में कई संस्थायें स्थापित की। रंगकर्मियों को अपनी कला एवं शैली का प्रदर्शन करने के लिए रवीन्द्रालय का सुव्यवस्थित मंच मिला, वहीं बुद्धिजीवियों को लोकतंत्र राष्ट्रहित से जुड़े सामयिक एवं ज्वलंत प्रश्नों पर विचार मंथन करने एवं उनके निराकरण का मार्ग खोजने के लिए '' विचार मंच '' का सृजन किया गया। धीरे–धीरे मंच बुद्धिजीवियों के लिए अभिव्यक्ति का एक सशक्त एवं लोकप्रिय माध्यम ''विचार मंच'' बन गया है। इस मंच से विभिन्न प्रश्नों के समाधान के लिए जो सहमति बनी वह जनतंत्र तथा शासन दोनों के लिए ही दिशावाहक भी बनी।

उपर्युक्त से स्पष्ट है कि ''विचार मंच'' अतीत की परतें कुरेदकर निरर्थक विवादों में नहीं फंसता, अपितु अत्यंत सामयिक विषय ही चर्चा का आधार बनाता है।

प्रत्येक मास के प्रथम व तृतीय शनिवार को बैठक का आयोजन होता है इन बैठकों में मूर्धन्य साहित्यकार, मझे हुए राजनितिज्ञ, समर्पित समाजसेवी, अर्थ–विचारक, प्रतिष्ठित अधिकारी एवं पत्रकार भाग लेते हैं तथा निर्धारित विषयों पर अपने विचार व्यक्त करते हैं। प्रत्येक बैठक की विषम चर्चा की पूर्व सूचना भी विशिष्ट व्यक्तियों व दैनिक समाचारों के माध्यम से दे दी जाती है।

आलोच्य वर्ष में निम्नलिखित मुख्य विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई :–

1. मंदिरों में जाना महिलाओं का अधिकार।
2. हरियाली नष्ट होने से जल संकट।
3. सैन्य हेलीकॉप्टर घोटाला देशद्रोह।
4. मोदी ने देश को बचा लिया।
5. सड़कें दुमंजिली की जाएं।

6. कश्मीर समस्या नेहरू की देन।
7. बदजुबानी से लोकतंत्र को खतरा।
8. भारत की पाक नीति अब सही।
9. बलूचिस्तान की आजादी भारत के हित में।
10. मंहगा चुनाव लोकतंत्र के लिए खतरा।
11. पटेल के विरूद्ध षड़यंत्र हुआ।
12. नोटबंदी देश के हित में।
13. विस्थापित हिन्दू बेसहारा।
14. चुनावों में पूरी निष्पक्षता हो।
15. संयुक्त राष्ट्र में हिन्दी हो।
16. पहली बार श्रेष्ठ बजट।
17. न्यायालय की अवमानना हुई।
18. चुनाव आयोग पूर्ण विफल।
19. उ0प्र0 में राष्ट्रवाद की जीत।

2- चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र, 10-अशोक मार्ग, लखनऊ

नवचेतना केन्द्र का शिलान्यास दिनांक 14 जुलाई 1978 को उ0प्र0 के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी द्वारा किया गया था। इनके स्वर्गवास के बाद इस भवन का नाम स्व0 चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र रखा गया। इस भवन का संचालन भारत सेवा संस्थान द्वारा किया जाता है।

वर्तमान में इस संस्थान के अध्यक्ष पद पर मा0 श्री भगवती सिंह, पूर्व मंत्री उ0प्र0 सरकार एवं पूर्व सांसद (राज्यसभा) पदासीन है। यह साइट ऑफिस इस भवन के अनुरक्षण का कार्य करता है। वर्तमान में इस साइट ऑफिस के मेम्बर इंचार्ज डा0 जे0एन0मिश्र हैं, जो भारत सेवा संस्थान के महामंत्री के पद पर भी आसीन हैं। नवचेतना केन्द्र के मेम्बर इंचार्ज डा0 जे0एन0मिश्र के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रशासनिक अधिकारी व साइट आफिस कर्मचारियों के अथक परिश्रम से संस्थान की आय और नवचेतना केन्द्र भवन के अनुरक्षण का कार्य तीव्रगति से चल रहा है। भवन के किराये में उत्तरोत्तर वृद्धि का प्रयास साइट आफिस द्वारा किया जा रहा है।

(भवन का किराया जो विगत वर्ष 2015–16 में लगभग 4,02,28,370.00 था वह वित्तीय वर्ष 2016–17 में लगभग रु0 4,24,62,034.00 हो गया है। माननीय अध्यक्ष जी, माननीय महामंत्री जी, समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों के सहयोग से दिन–प्रतिदिन समस्त कार्य सुचारू रूप से सम्पन्न हो रहे हैं।

संस्थान की गतिविधियॉ

1. **वर्ष 2016-17 में लीजडीड**
   - इनिसिएटिव डाटा सिस्टम प्रा0लि0 की लीजडीड सम्पन्न करायी गयी।
2. **वर्ष 2016-17 में भवन की सुरक्षा, रख-रखाव व उसकी मरम्मत हेतु कराये गये एवं कराये जाने वाले प्रस्तावित कार्य का विवरण।**
   - भवन के रियर विंग में एक नई लिफ्ट लगाने का कार्य अन्तिम चरण में है।
   - भवन की मुख्य बिल्डिंग में एक नई लिफ्ट लगाने का प्रस्ताव है।
   - भवन में लगी दोनो पुरानी लिफ्टों की ए0एम0सी0 करायी गयी। दोनों लिफ्टें कार्य कर रही हैं।
   - भवन की सुरक्षा में तीन गन मैन व दो सुरक्षा गार्ड तैनात हैं।

- भवन की सुरक्षा हेतु आठ सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगे हैं जिसकी मानीटरिंग साइट आफिस द्वारा की जाती है।
- सुरक्षा गार्ड कक्षों व कार्यालय में इन्टरकाम की व्यवस्था है।
- भवन में अग्निशमन की व्यवस्था पूर्व से है जिसे अग्निशमन विभाग के मानकों के अनुसार कराया जाना प्रस्तावित है।
- भवन के सामने स्थापित स्व0 चन्द्रभानु गुप्त जी की प्रतिमा पर छतरी लगाया जाना प्रस्तावित है।
- पंजाब नेशनल बैंक के सामने लान को पार्किंग स्थल बनाया जाना प्रस्तावित है।
- रोड बनाये जाने का कार्य प्रस्तावित है।
- मेम्बर इचांर्ज (म0) के मार्गदर्शन में विद्युत खपत कम करने का प्रयास किया जा रहा है।
- भवन में मार्च, 2017 तक निम्न स्थान रिक्त है जिन्हें किराये पर उठाने का प्रयास किया जा रहा हैः–

1.	भूतल	900 वर्ग फुट
		176 वर्ग फुट
2.	द्वितीय तल	3368 वर्ग फुट

3- लाजपतराय पुस्तकालय एवं वाचनालय, 6-कैसरबाग, लखनऊ

यह पुस्तकालय लखनऊ नगर की घनी आबादी के बीच कैसरबाग में एक प्राचीन एतिहासिक स्थान पर है। पुस्तकालय लाजपतराय भवन में ही सार्वजनिक कार्य हेतु निर्मित किया गया है। लाला लाजपतराय से कौन देशवासी परिचित नहीं होगा। दासता के घोर अन्धकार में राष्ट्रीयता के प्रकाश चिन्ह, हृदय विदारक, अमानवीय दमन एवं लाचारी के भयावह वातावरण में निर्भीक साहसी ''शेरे पंजाब'' विदेशी सत्ता के कट्टर विरोधी, स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख नायक, प्रभावशाली लेखक सारगर्भित वक्ता तथा जन–जीवन को आन्दोलित करने वाले ऐसे थे लाला लाजपतराय। उनके लेख आज भी ऐतिहासिक एवं प्रेरणा के श्रोत हैं । तत्कालीन त्रिमूर्ति–लाल–बाल–पाल राष्ट्रीयता की प्रतीक एवं प्रेरक थे। राष्ट्र प्रेमी नर–नारी ही नहीं वरन बच्चों के मुख पर भी उनका नाम है। इस पुस्तकालय की छाया में अनेकों जिज्ञासुओं की ज्ञान पिपासा को एवं साधनहीन छात्रों एवं नवयुवकों को वांछनीय सहायता मिल रही है।

कैसरबाग बारादरी के सामने लाजपतराय भवन में यह पुस्तकालय 17 अगस्त, 1971 से कार्यरत् है। पुस्तकालय की स्थापना ओड़िसा के तत्कालीन मुख्यमंत्री श्री विश्वनाथदास के द्वारा की गयी थी। स्थापना दिवस समारोह की अध्यक्षता श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी ने की थी। यह सार्वजनिक पुस्तकालय 06, कैसरबाग, लखनऊ में स्थित है।

पुस्तकें :–लाला लाजपतराय पुस्तकालय एवं वाचनालय में वर्ष 2015–16 में 20,584 पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में वर्ष 2015–16 में राजा राम मोहनराय फाउण्डेशन कोलकाता द्वारा 185 पुस्तकें हिन्दी भाषा में तथा 12 पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में अनुदान के रूप में प्राप्त हुई हैं। इन पुस्तकों के रख–रखाव के लिए दो अलमारियां भी अनुदान स्वरूप प्राप्त हुई है।

भारत सेवा संस्थान के द्वारा दिए गए बजट से 8 पुस्तकें हिन्दी भाषा में तथा 16 पुस्तकें अंग्रेजी भाषा में क्रय की गई है। सभी प्राप्त पुस्तकों को वर्गीकृत करके पाठकों हेतु उपलब्ध कराया जा रहा है।

समाचार पत्र :–

पाठकों की सुविधा के लिए पुस्तकालय में 14 समाचार पत्र उपलब्ध कराये जा रहे हैं। चूंकि समाचार पत्र ज्ञान वर्धन का सर्वाधिक त्वरित माध्यम होता है। अतः इसको ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित समाचार पत्र मंगाये जा रहे हैं :–अमर उजाला, दैनिक जागरण, हिन्दुस्तान, राष्ट्रीय सहारा, जन–सत्ता, स्वतंत्र भारत, पंजाब केसरी, नवभारत टाइम्स, इकोनामिक टाइम्स, इण्डियन एक्सप्रेस, द पाइनियर, हिन्दू दी स्टेस्ट मैन, द टाइम्स ऑफ इण्डिया।

पत्रिकाएं :– पत्रिकाओं में पाठकों के ज्ञानवर्धन एवं कम्पटीशन की तैयारी के लिए सामान्य एवं प्रतियोगी पत्रिकाएं पुस्तकालय में मंगाई जा रही हैं, जो निम्नलिखित हैं:–

चम्पक, सिविल सर्विस क्रानिकल, कम्प्यूटर संचार सूचना, कम्पीटशन सक्सेज रिवियू, क्रिकेट सम्राट, इम्प्लाईमेंट न्यूज, फ्रन्ट लाईन, इण्डिया टुडे, कादम्बिनी, निरोगधाम, आउट लुक, प्रतियोगिता दर्पण, प्रतियोगिता किरण, रोजगार समाचार, सरिता, स्पोर्ट स्टार, विज्ञान प्रगति, योजना, साइन्स रिपोर्टर, गृहशोभा, मेरी सहेली, वनिता, समसामयिक महासागर।

अन्तर पुस्तकालय आदान-प्रदान सेवा:–

पुस्तकालय में इस सेवा के अंतर्गत अन्य पुस्तकालयों जिन्हें पुस्तकालय उचित समझता है, उनको 15 दिनों के लिए पुस्तकें निर्गत करता है। पन्द्रह दिनों की अवधि के बाद उनके प्रार्थना पत्र पर पुनः कुछ समय दे दिया जाता है। इस सेवा के अंतर्गत संदर्भ पुस्तकें, बहुखण्डीय पुस्तकें (मल्टी वाल्यूम) तथा अप्राप्त (रेयर एण्ड आउट आफ प्रिन्ट) पुस्तकें निर्गत नहीं की जाती हैं।

पुस्तकालय द्वारा लाइब्रेरी साइन्स के विद्यार्थियों हेतु कुछ विशेष योगदान:-

पुस्तकालय से सम्बन्धित पाठकों का इस पुस्तकालय में विशेष योगदान मिलता है। इस सम्बन्ध में आई0टी0 कालेज, पालिटेक्निक के पुस्तकालय विज्ञान के छात्र–छात्राओं एवं अन्य बी0एड0 के छात्र–छात्राओं को पुस्तकालय विज्ञान से सम्बन्धित जानकारी दी जाती है और उनके लेखों को पूरा कराया जाता है।

पी0एच0डी0 छात्र/छात्राओं:-

पी0एच0डी0 के छात्रों को उनके विषय से सम्बन्धित पुस्तकों को प्रदान किया जाता है, जिससे वे अपना शोध कार्य पांच वर्ष की अवधि तक पूर्ण करते हैं। कुछ छात्र–छात्राओं की लिस्ट साथ में संलग्न है।

कम्प्यूटर नेट होने के कारण इसका प्रभाव पुस्तकालय पर पड़ रहा है, जिससे पाठकों की संख्या कुछ कम होती जा रही है, फिर भी पुस्तकालय में पाठकों की संख्या मासिक रूप में निम्नलिखित रही है।

1. अप्रैल 2016 में पाठकों की संख्या	–	369
2. मई 2016 में पाठकों की संख्या	–	307
3. जून 2016 में पाठकों की संख्या	–	281
4. जुलाई 2016 में पाठकों की संख्या	–	395
5. अगस्त 2016 में पाठकों की संख्या	–	432
6. सितम्बर 2016 में पाठकों की संख्या	–	591
7. अक्टूबर 2016 में पाठकों की संख्या	–	498
8. नवम्बर 2016 में पाठकों की संख्या	–	515
9. दिसम्बर 2016 में पाठकों की संख्या	–	501
10. जनवरी 2017 में पाठकों की संख्या	–	564
11. फरवरी 2017 में पाठकों की संख्या	–	604
12. मार्च 2017 में पाठकों की संख्या	–	636
		9693

वर्तमान में इस पुस्तकालय के मेम्बर इंचार्ज, डा0 फिदाहुसैन आंसारी हैं। डा0 अंसारी जी के मार्गदर्षन से पुस्तकालय की ख्याति बढ़ रही है।

4-चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास योजना, हर्थौंधा, बाराबंकी-:

भारत सेवा संस्थान, मोतीमहल, लखनऊ द्वारा बाराबंकी जनपद की सबसे बड़ी एवं अनुसूचित जनजाति तथा पिछड़ी जाति बाहुल्य तहसील रामसनेही घाट में वर्ष 1984 में चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास एवं शोध केन्द्र के रूप में स्थापित शाखा ने शनैः–शनैः जनविश्वास अर्जित करते हुए प्रशिक्षण **के सात अनुभाग, जिले के सर्व**श्रेष्ठ प्रशि**क्षण केन्द्रों के रूप** तथा एक पुस्तकालय एवं वाचनालय एवं होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी, एलोपैथिक सहित पांच शाखाएं संचालित करने में सफलता प्राप्त की है, यही नहीं संस्था के उपरोक्त सभी अनुभाग संस्था के अपने ही मनोहारी परिसर में निर्मित भवनों में हैं। **डा0 जे0एन0मिश्र, मेम्बर इंचार्ज के दिशा–निर्देशन एवं श्री मोहम्मद इब्राहिम, कार्याधिकारी के सहयोग से उक्त इकाई उन्नति के नये आयाम पर निरंतर अग्रसरित है।**

वर्ष **2016–17 में संचालित कार्यक्रमों की उपलब्धि निम्न प्रकार रही।**

i–प्रशिक्षण कार्यक्रम-:

क–सिलाई प्रशिक्षण में 199 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ख–कढाई प्रशिक्षण में 148 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ग–टाइप प्रषिक्षण में 152 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

घ-कम्प्यूटर प्रशिक्षण-:

इस अनुभाग के प्रशिक्षक श्री संजय सिंह राणा है, इनकी शैक्षिक योग्यता एम0ए0 तथा कम्प्यूटर में एम0सी0एस0इ0/ए0 है इनकी नियुक्ति वर्ष 2010 में हुई है।

वर्ष 2016–17 में 119 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ड़-ब्यूटी पार्लर प्रशिक्षण–:

1–इस अनुभाग का कार्य श्रीमती हेमा द्विवेदी जो कि जोबेन इन्स्टीट्यूट प्रतिष्ठान अम्बाला कैन्ट से प्रशिक्षित हैं, देख रही हैं।

2–आलोच्य वर्ष में 88 महिलाओं ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

चन्द्रभानु गुप्त ग्राम विकास योजनान्तर्गत स्वरोजगार के अनेक प्रषिक्षण जैसे–सिलाई–कढाई, कटाई, जरी, कम्प्यूटर, टाईप आदि अनेक अनुभागों के साथ–साथ सार्वजनिक पुस्तकालय का भी एक ऐसा अनुभाग है, जहां पुरूषों के बजाय महिलाओं की बाहुल्यता है और लगभग 200 महिलाओं का आना–जाना रहता है, यही नहीं इसी इकाई के मुख्यालय से लगभग एक किलोमीटर की दूरी पर एक महिला डिग्री कालेज के अतिरिक्त अनेक महिला विद्यालय है।

च-फलसंरक्षण प्रशिक्षण :–

आलोच्य वर्ष में 43 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

छ-जरी प्रशिक्षण :-

आलोच्य वर्ष में 25 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

ii–पुस्तकालय एवं वाचनालय-:

वैसे तो पुस्तकालय/वाचनालय का कार्य संस्था के प्रारम्भिक कार्यक्रमों में से एक है, वर्ष 1984 से ही गांवों में सचल पुस्तकालय के रूप में संस्था के नियुक्त कर्मचारियों (जनसेवकों) के माध्यम से बक्सों में भेजना तथा फिर गांव से ही उन्हें वापस लेने का कार्य प्रारम्भ हुआ, जो शनैः–शनैः बढ़ा और केन्द्रीय पुस्तकालय एवं वाचनालय का रूप बना, गांव के लोगों ने पुस्तकालय सदस्यता ग्रहण करना प्रारम्भ किया। जिस गांव में 25 सदस्य हो जाते हैं वहां समाचार पत्रों को भेजा जाता, यह सारा कार्य जनसेवक करते थे।

वर्ष 2006 में संस्था ने फील्ड के सारे कार्यक्रमों पर विराम लगाकर अपने नवनिर्मित हथौंधा के भवनों में प्रशिक्षण, चिकित्सा तथा पुस्तकालय का ही कार्य रखा इस समय पुस्तकालय एवं वाचनालय संस्था के भवन में ही संचालित हैं।

वर्तमान समय में :–

1– चन्द्रभानु गुप्त सार्वजनिक पुस्तकालय में एक प्रशिक्षित पुस्तकालयाध्यक्ष, दो पुस्तकालय सहायक तथा गांवों में पुस्तक कार्य हेतु एक महिला तथा एक पुरूष पुस्तक उपवितरण केन्द्र के लिए कर्मचारी नियुक्त हैं जो निर्धारित केन्द्रों पर निर्धारित दिवसों में पुस्तकें ले जाकर पाठक सदस्यों को देते व सप्ताह बाद वापस लाकर जमा करने का काम करते हैं।

2– पुस्तकालयः–पुस्तकालय में इस समय कुल 5242 पुस्तकें हैं।

3– सदस्यताः–पुस्तकालय सदस्य बनने के लिए जमानत के रूप में 50/–रुपये, वार्षिक शुल्क, 10/–रुपये तथा प्रवेश शुल्क 2/–रुपये कुल 62/–रुपये लिया जाता है। छात्रों के लिए चूँकि उनके छात्र होने का प्रमाणीकरण स्कूल अध्यापक करता है, इसलिए जमानत में 50 प्रतिशत छूट का प्राविधान है। आलोच्य वर्ष में सामान्य 45 सदस्य, छात्र सदस्य 14 कुल 59 सदस्य बने। इसके अलावा 315 सदस्यों का नवीनीकरण किया गया। आलोच्य वर्ष में वितरित पुस्तकों एवं पत्रिकाओं की सं0 3421 रही।

4– शैक्षिक प्रतिष्ठानों का योगदानः– राजा राम मोहनराय कोलकाता से इस पुस्तकालय को अनुदान में 62 पुस्तकें प्राप्त हुई।

5– समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं की आमद :– पुस्तकालय में 5 दैनिक समाचार पत्र तथा 2 साप्ताहिक रोजगार, कम्प्यूटर न्यूज समाचार पत्र आते हैं।

प्रतिदिन पाठकों का औसत 25 से 30 है।

iii–जनस्वास्थ्य कार्यक्रम-:

इस कार्यक्रम के अन्तर्गत होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी, आंख अस्पताल एवं सामान्य रोगी चिकित्सा का संचालन मुख्य है, आलोच्य वर्ष में इनकी उपलब्धियाँ निम्न प्रकार रही–:

अ– <u>होम्योपैथिक डिस्पेन्सरी-:</u>

संस्था के हथौंधा में नवनिर्मित भवन में डिस्पेन्सरी वर्ष 1984 से स्थापित है। इस वर्ष एक प्रशिक्षित होम्योपैथिक चिकित्सक डा. नमिता सिंह की नियुक्ति की गयी है। यह सप्ताह के सभी कार्य–दिवसों में खुलता है। आलोच्य वर्ष में 12172 रोगियों का परीक्षण एवं उपचार किया गया।

आ– चन्द्रभानु गुप्त आँख अस्पताल-:

नेत्र चिकित्सालय वर्ष 2006–07 से चल रहा है। नेत्र चिकित्सालय में जांच के सभी संयन्त्र तथा आंखों के आपरेशन की पूर्ण तथा समुचित व्यवस्था है। आंखों की जांच तथा आपरेशन हेतु 20 शैय्या की पूर्ण व्यवस्था है। नेत्र रोगियों का परीक्षण कर परामर्श तथा ऑपरेशन योग्य रोगियों का चयन कर आंखों का ऑपरेशन कर लेन्स डाले जाते हैं। आंख के रोगियों के ऑपरेशन के बाद उन्हें वार्ड में एक दिन रखा जाता है एवं इस अवधि में औषधि भी दी जाती है। इस सम्पूर्ण कार्य हेतु प्रति रोगी

से लिया जाता है। आलोच्य वर्ष में 17460 नेत्र रोगियों का परीक्षण एवं उनके उपचार की सलाह दी गयी तथा अस्पताल में आकर संस्था की चिकित्सा सुविधा से लाभ उठाया है। इसके अलावा 2222 नेत्र रोगियों की चश्में की जांच की गयी। 1136 आंख के आपरेशन किये गये तथा लेंस डाले गये।

आंख का आपरेशन होने के बाद रोगी को एक रात्रि अस्पताल में रोका जाता है, तथा चाय, डबलरोटी, खिचड़ी आदि की मुफ्त व्यवस्था की जाती है, रोगी को 15 दिन की दवा संस्था द्वारा मुफ्त प्रदान की जाती है।

इ- चन्द्रभानु गुप्त जनहितकारी अस्पताल-:

संस्था द्वारा वर्ष 2009 में स्थापित सामान्य चिकित्सा सेल में वर्तमान समय में महिला तथा पुरुष वर्ग की चिकित्सा हेतु दो डाक्टर, दंत तथा फिजियोथेरेपी चिकित्सा के लिए दो विशेषज्ञ क्रमशः अपने निर्धारित दिन शनिवार तथा सोमवार को आते हैं, दांतों के मरीजों की चिकित्सा में अधिक समय लगने के कारण दांतों के नाप व बनाने का कार्य शुक्रवार को किया जाता है। संस्था द्वारा रोगी पर्चा शुल्क मात्र दो रुपये प्रति मरीज है, सभी दवाएं **निःशुल्क दी जाती हैं। इन अनुभागों की प्रगति निम्नवत् है।**

1-सामान्य रोगी चिकित्सा हेतु-:

संस्थान द्वारा सामान्य चिकित्सा के उद्देश्य से एक चन्द्रभानु गुप्त जनहितकारी अस्पताल की दिनॉक 16.06.2009 को स्थापना की गयी।

इसमें महिला तथा पुरूष चिकित्सा अधिकारी की नियुक्तियां की गई हैं। चिकित्सक मंगलवार एंव शनिवार को वहिरंग में रोगियों को देखते हैं एंव उनके व्यवस्था पत्र पर निःशुल्क औषधियां वितरित की जाती हैं। आलोच्य वर्ष में इन चिकित्सकों द्वारा 9575 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर चिकित्सा व्यवस्था प्रदान की गई।

i–**फिजियोथिरेपी**-:

क्षेत्र के सामान्य जनों को फिजियोथिरेपी पद्धति की चिकित्सा उपलब्ध कराने हेतु एक फिजियोथेरेपिस्ट की नियुक्ति एवं चिकित्सा हेतु आवश्यक उपकरणों की व्यवस्था की गयी है। आलोच्य वर्ष में 50 रोगियों की निःशुल्क चिकित्सा की गयी तथा यहां मशीनी चिकित्सा की सुविधा भी प्रदान की जाती है।

ii–**दंत चिकित्सा-:**

दंत चिकित्सा अनुभाग में एक दंत चिकित्सक (महिला) नियुक्त है। जिन्होंने 3803 रोगियों का उपचार किया।

स्वास्थ्य शिविर : भारत सेवा संस्थान एवं ''आपना'' यू0एस0ए0 के सौजन्य से इन्टीग्रेटेड मेडिसीन फॉर परफेक्ट हेल्थ विषय पर इन्दिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन दिनांक 07.11.2016 को संस्थान के माननीय अध्यक्ष जी एवं माननीय महामंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में इकाई में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें देश–विदेश के चिकित्सा विशेषज्ञों ने अपनी सराहनीय सेवा दी। शिविर में 1661 मरीजों को निःशुल्क परामर्श, दवा व जांच (T.L.c, D.L.C, HB, Blood group, Uric Acid) की सुविधा दी गई।

5-चन्द्रभानु गुप्त पुस्तकालय,वाचनालय एवं संग्रहालय, सेवाकुटीर (पानदरीबा) चारबाग, लखनऊ

शिक्षा के प्रचार–प्रसार में पुस्तकालयों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। पुस्तकालयों द्वारा सूचनाएं भी प्रदान की जाती है। इसी परिवेश में पाठकों को भारतीय स्वतंत्रता आन्दोलन से सम्बन्धित सूचनायें सी0बी0 गुप्ता पुस्तकालय से प्रदान की जाती हैं। छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बन्धित पुस्तकों एवं संदर्भ ग्रन्थों के माध्यम से भी सूचनायें प्रदान की जाती हैं।

पुस्तकालय की स्थापना 14 जुलाई 1980 में की गई। यह पुस्तकालय, वाचनालय एवं संग्रहालय संस्थान के संस्थापक श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी के निवास "सेवा कुटीर" में उनके स्वर्गवास के बाद से कार्यरत् है। सेवा कुटीर भवन को गुप्त जी ने अपनी वसीयत के माध्यम से भारत सेवा संस्थान को अर्पित कर दिया है।

पुस्तकालय का उद्देश्यः-पुस्तकालय का उद्देश्य जन सामान्य एंव छात्रों में अध्ययनशीलता देश प्रेम एवं देश भक्ति भावना की ओर प्रोत्साहित करना है। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम पर विशेष पुस्तकालय है।

पुस्तकालय का समय :-पुस्तकालय खुलने का समय प्रातः 10:00 बजे से समय शाम 5:00 बजे तक है। पुस्तकालय का समाचार–पत्र कक्ष (प्रातः 8 बजे से 10 बजे तक) तथा (षाम 5 बजे से रात्रि 7 बजे तक) खुला रहता है।

पुस्तकें :- इस पुस्तकालय में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम एवं आंदोलन, ब्रिटिश कालीन भारतीय इतिहास, राजनीति शास्त्र तथा महान व्यक्तियों एवं स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनियों आदि से सम्बन्धित पुस्तकों का संग्रह है। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी एवं प्रवेश परीक्षाओं से सम्बन्धित पुस्तकें भी अध्ययन हेतु उपलब्ध हैं। वर्ष 2016–17 में 28 सामान्य पुस्तकें तथा 25 पुस्तकें प्रतियोगी परीक्षाओं से सम्बन्धित क्रय की गयी। इस प्रकार कुल 53 पुस्तकें क्रय की गयी। एक्सेशन रजिस्टर के अनुसार पुस्तकालय में पुस्तकों की संख्या निम्नवत् है :–

हिन्दी	–	1643
अंग्रेजी	–	3434
	कुल योग	**5077**

श्री सी0वी0सिंह इस पुस्तकालय के मेम्बर इंचार्ज हैं एवं इनके मार्गदर्शन में एंव पुस्तकालयाध्यक्ष श्री सैय्यद सादिक हुसैन के अनुभवों से पुस्तकालय की ख्याति दिनों–दिन बढ़ती जा रही है।

इस प्रकार पुस्तकालय में आने वाले पाठकगण एवं छात्र उपर्युक्त पुस्तकों का अध्ययन करके लाभान्वित हो रहे हैं। पुस्तकालय का उपयोग लगभग 75 व्यक्ति प्रतिदिन करते हैं।

पत्रिकायें-: पुस्तकालय में निम्नलिखित आठ पत्रिकाएं मंगाई जाती हैं जो निम्नवत् हैं:–

1–प्रतियोगिता दर्पण

2–क्रानिकल सिविल सर्विसेज

3–सरिता

4–कादम्बिनी

5–निरोगधाम

6–इण्डिया टू–डे

7–रोजगार समाचार

8–इम्पलायमेन्ट न्यूज

उपर्युक्त पत्रिकायें प्रतियोगी परीक्षाओं एवं सामान्य पाठकों के लिए उपयोगी है। इस प्रकार पुस्तकालय में आने वाले पाठक एवं छात्र इन पत्रिकाओं से लाभान्वित हो रहे हैं।

पुस्तकालय के प्रथम तल पर श्रद्धेय सी0बी0 गुप्ता जी से सम्बन्धित वस्तुओं का संग्रहालय है जिसमें उनके द्वारा दैनिक प्रयोग में की गई वस्तुओं को रखा गया हैं। इन सभी वस्तुओं का रख–रखाव सुव्यवस्थित ढंग से किया जा रहा है।

पुस्तकों के अतिरिक्त निम्नलिखित समाचार पत्र और पत्रिकायें पाठकों के लिए उपलब्ध कराई जाती है–:

समाचार पत्र-:

1–राष्ट्रीय सहारा
2–दैनिक जागरण
3–हिन्दुस्तान
4–अमर उजाला
5–जनसत्ता
6–टाइम्स ऑफ इण्डिया
7–द हिन्दू
8–हिन्दुस्तान टाइम्स
9–नवभारत टाइम्स
10–स्वत्रंत भारत

पाठकों की सुविधा हेतु करेन्ट एक वर्ष के समाचार पत्र तिथिवार/माहवार सुरक्षित रखे जाते हैं। पाठकगण दैनिक समाचार पत्रों एंव पूर्व समाचार पत्रों से लाभान्वित हो रहे हैं।

संग्रहालय :– पुस्तकालय के प्रथम तल पर श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी से सम्बन्धित एवं उनके द्वारा एकत्र की गयी वस्तुओं का संग्रहालय है। संग्रहालय की सफाई तथा वहां रखी हुई वस्तुओं का अनुरक्षण सुव्यवस्थित ढंग से किया जाता है।

भारत सेवा संस्थान द्वारा संचालित इस पुस्तकालय के समस्त कार्य माननीय महामंत्री जी के आदेशानुसार अच्छी तरह सम्पन्न किये जा रहे हैं।

6-सी0बी0गुप्ता होम्योपैथिक चिकित्सालय, सेवा कुटीर, पानदरीबा, लखनऊ

श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी की स्मृति में गरीबों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ प्रदान करने हेतु उनके निवास जोकि ''सेवाकुटीर'' पानदरीबा, लखनऊ में स्थित है तथा उसमें पुस्तकालय व संग्रहालय पहले से ही स्थित है, में फरवरी 2017 में एक होम्योपैथिक चिकित्सालय का अनावरण किया गया है। इस चिकित्सालय को चलाने हेतु पहले राज्य सरकार से सेवानिवृत्त होम्योपैथिक चिकित्सक ने सेवाएं प्रदान की।

तत्पश्चात् उन्होंने व्यक्तिगत कारणों से सेवाएं देने में असमर्थता व्यक्त की। परन्तु गरीबों के स्वास्थ्य हित को ध्यान में रखते हुए इस सामाजिक कार्य को गति देने हेतु डा0 प्रियंका सिंह, होम्योपैथिक चिकित्सक की नियुक्ति की गयी। जोकि वर्तमान में अपनी सेवाएं दे रही हैं। इनका कार्य सराहनीय है और अधिक से अधिक लोग इसका लाभ प्राप्त कर रहे हैं। फरवरी व मार्च 2017 में ही करीब 500 लोगों ने इसका लाभ उठाया।

6-सी0बी0गुप्ता टी0बी0 एण्ड चेस्ट क्लीनिक

सी0बी0गुप्ता टी0बी0 एण्ड चेस्ट क्लीनिक उ0प्र0 टी0बी0 एशोसियेशन द्वारा 15 सितम्बर 1977 को स्थापित हुआ था। सी0बी0 गुप्ता क्षय तथा वक्ष रोग चिकित्सालय, पान दरीबा लखनऊ में स्थित है। इस अस्पताल का संचालन 01 अप्रैल 2009 से भारत सेवा संस्थान द्वारा किया जा रहा है।

इस चिकित्सालय में मुख्यतः क्षय तथा वक्षरोग के मरीज देखें जाते हैं। इसके अतिरिक्त सामान्य रोग से पीड़ित मरीजों को मुफ्त सेवाएं दी जाती हैं।

मरीजों का पंजीकरण मात्र दस रुपये में किया जाता है तथा नवीन पंजीकृत मरीजों को पांच रुपये में टी0बी0सील (टिकट) भी दिया जाता है। दस रुपये में किये गये पंजीकरण की मान्यता एक वर्ष तक होती है।

मरीजों की निम्नलिखित जांचे इस चिकित्सालय में की जाती हैंः–

1. एक्स–रे– बिना हानि लाभ के रु0 70/–में किया जाता है जो मरीजों को दे दिया जाता है।
2. गरीब मरीजों को एक्स–रे मुफ्त में किया जाता है।
3. बलगम की जांच मुफ्त में की जाती है।
4. खून की सामान्य जांच
5. पेशाब की सामान्य जांच
6. मल की सामान्य जांच
7. ग्लोकोमीटर द्वारा ब्लडशूगर की जांच

उपरोक्त क्रम सं0 4,5,6,7 की जांचे मात्र रु0 20/– में की जाती हैं।

क्षय रोग की दवा डाट्स प्रणाली के अंतर्गत मरीजों को मुफ्त अस्पताल में खिलायी जाती है। प्रारम्भ के आठ सप्ताह तक मरीजों को अस्पताल में दवा खिलायी जाती है एवं आठ सप्ताह के पश्चात् एक सप्ताह की दवा मरीजों को दे दी जाती है, जो 18 सप्ताह तक चलती है।

डॉट्स प्रणाली के नियमानुसार मरीजों के बलगम की जांच मुफ्त में समय–समय पर होती रहती है। डाट्स प्रणाली के अंतर्गत मरीज की दवा प्रारम्भ करने से पहले मरीज के घर के पते का सत्यापन घर जाकर किया जाता है।

यदि मरीज दवा खाने नहीं आता है तो उसके घर जाकर उसे समझाकर दवा खाने के लिए प्रेरित करना पड़ता है ताकि मरीज लगातार नियमित रूप से दवा खाता रहे।

डॉट्स प्रणाली दवाओं के साथ–साथ आवश्यकतानुसार मरीजों के खांसी बुखार ताकत एवं अन्य तकलीफों के

अनुसार दवा मुफ्त दी जाती है जो भारत सेवा संस्थान उपलब्ध कराता है। मरीज को मुंह से खून आ जाता है, तो इसके लिए सुई भी मुफ्त लगाई जाती है।

टी0बी0 के मरीजों के अतिरिक्त अन्य बीमारियों से पीड़ित मरीज भी होते हैं उनको चिकित्सक द्वारा देखा जाता है तथा उनको भी अस्पताल में भारत सेवा संस्थान द्वारा उपलब्ध करायी गयी दवाएं मुफ्त में दी जाती हैं। मरीजों को स्वास्थ्य की जानकारी व जागरूकता के लिए समय–समय पर अस्पताल परिसर में कैम्प कराये जाते रहते हैं।

टी0बी0, एच0आई0वी0, एड्स आदि बीमारियों के लक्षण एवं उपचार के बारे में जागरूक करने तथा परिवार नियोजन के बारे में समझाने के लिए टी0बी0 के मरीजों का मुफ्त एवं नियमित इलाज हो इसके आस–पास के प्राइवेट चिकित्सकों व गणमान्य नागरिकों से सम्पर्क कर मरीजों को अस्पताल में भेजने के लिए प्रेरित करने के लिए कहते हैं।

डाट्स प्रणाली के अंतर्गत प्रत्येक माह की रिपोर्ट देने के साथ–साथ मरीजों को दवा खिलाई जाती है उन सबका विवरण तथा दवा वितरण के रिकार्ड जो मरीजों के कार्ड के रूप में होता है, की जांच समय–समय पर डी0टो0ओ0 के कार्यालय से कर्मचारी आकर मरीजों के डिब्बों से दवा निकाल कर देखते हैं कि कितनी दवा खिलाई गयी। जो हमेशा सही पाई जाती रही है। डी0टी0ओ0 स्वयं आकर भी जांच करते रहते हैं। दिल्ली से स्पेशल टीमें भी आती रहती हैं जो मरीजों की तथा दवा की जांच करते रहते हैं। डाट्स की दवाएं व लैब का सामान जिला क्षय रोग अधिकारी के यहां से प्रत्येक माह जाकर लाना होता है। जिला क्षय रोग अधिकारी के कार्यालय में जाकर आर0एन0टी0सी0पी0 के अंतर्गत मिलने वाले अनुदान के लिए प्रयास करते हैं। इसके लिए समय–समय पर जाना पड़ता है, अनुदान सी0बी0 गुप्ता चिकित्सालय को मिलता भी रहा है।

2-वर्ष 2016-17 में निम्नलिखित मरीजों को देखा गया-:

		रोगियों की सं0
1–कुल मरीज जिन्होनें अस्पताल में रजिस्ट्रेशन कराया(i+ii+iii)	–	22141
i-पुराने मरीज	–	20468
ii-नये मरीज जिनका रजिस्ट्रेशन हुआ	–	1260
iii-नये मरीज जिनको दूसरें संस्थान ने तथा दूसरे डॉक्टरों ने अस्पताल को रेफर किया	–	348
2–एम0एम0आर0 सम्बन्धित जॉच	–	95
3–कुल एक्स–रे	–	502
4–बलगम जांच	–	3341
5–खून जांच	–	
i-TLC	–	942
ii-DLC	–	942
iii-HB	–	900
6–मूत्र आदि की जांच		435

Report of C.B Gupta Clinic for DOT's Microscopy Centre of (C.B.Gupta T.B. Clinic & Chest diseases) from 01-04-15 to 31-03-17

New Pts. Put Under Treatment (Dot's) (Cat I+Cat II)	139
CAT-I 127, CAT-II 11	
Dots, Pts. Cured+Completed Treatment.	120
CAT 1- 112 CAT II- 14 DIED-1	

04, जून 2004 से 31.03.17 तक डॉट्स के सम्बन्ध में विवरण निम्न प्रकार हैं–:

1-Total No. of PTs put under test	=1767
2-Total No. of Pts Cured and Completed treatment	=1672
3-Total No. PTs Diagnosed and Referred to other Distt. and nearest DOT,s Centres	=1455

8-छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय, बख्शी का तालाब, लखनऊ

भारत सेवा संस्थान, मोतीमहल, लखनऊ द्वारा संचालित मा0 भगवती सिंह जी (पूर्व सांसद एवं अध्यक्ष भारत सेवा संस्थान) के लोक हित संकल्प के रूप में छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय, बख्शी का तालाब, इण्टर कालेज, लखनऊ में स्थापित किया जाना इस क्षेत्र के लिए वरदान है।

पुस्तकालय का नामकरण समाजवाद के विष्वस्तरीय विचारक एवं सामाजिक चिन्तक ''छोटे लोहिया जनेष्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय'' के नाम से किया गया।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय का उद्घाटन एवं लोकार्पण श्री अखिलेश यादव जी, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश द्वारा दिनांक 05 अगस्त, 2012 को किया गया।

छोटे लोहिया जनेश्वर मिश्र सार्वजनिक पुस्तकालय का निरीक्षण माननीय श्री मुलायम सिंह यादव जी, पूर्व मुख्यमंत्री, उ0प्र0 के द्वारा दिनांक 24 फरवरी, 2012 को किया गया।

सुसज्जित एवं विशाल भवन में स्थित सार्वजनिक पुस्तकालय इस क्षेत्र में रहने वाले प्रत्येक वर्ग के व्यक्तियों के लिए निर्बाध रूप से खुला रहता है। इस पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों व समाचार–पत्रों एवं पत्रिकाओं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की पुस्तकों का ज्ञानार्जन हेतु उपयोग किया कर सकते हैं।

इस पुस्तकालय में नवीन उच्च स्तर का फर्नीचर, रोशनी के लिए पर्याप्त विद्युत व्यवस्था, हवा के लिए अति व्यवस्थित पंखे एवं कूलर की व्यवस्था है। पाठकों के लिए रीडिंग चेयर के अतिरिक्त वेटिंग चेयर तथा शीतल जल के लिए वाटरकूलर व शौचालय की स्वच्छ एवं उत्तम व्यवस्था है। वर्ष 2017 में पुस्तकालय भवन से लगा एक 10 ग 50 का हाल समाचार–पत्र स्टैंड वेटिंग चेयर, शीतल जल की मशीन आदि के लिए बनाया गया है। पुस्तकालय प्रातः 10:00 से सांय 5:00 बजे तक खुलता है एवं रविवार तथा संस्थान द्वारा स्वीकृत संस्थापत्रित अवकाश में पुस्कालय बंद रहता है।

1.पुस्तकालय की सदस्यता :-पुस्तकालय में निम्नलिखित दो प्रकार की सदस्यता उपलब्ध है :-

	सदस्यता शुल्क (वार्षिक)	प्रतिभूति (आजीवन)
अ–विद्यार्थी सदस्यता	25.00	100.00
ब–सामान्य सदस्यता	50.00	100.00

2.पुस्तक संग्रह :– पुस्तकालय में विभिन्न विषयों की 5065 पुस्तकें उपलब्ध है, जिनमें सभी प्रतियोगी परीक्षाओं की उच्चस्तरीय पुस्तकें भी सम्मिलित हैं, जो विभिन्न प्रकार की नौकरियों तथा शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश के लिए उपयोगी है। जिनका भाषावार विवरण निम्नलिखित है :–

हिन्दी भाषा	4271
अंग्रेजी भाषा	721
उर्दू भाषा	073
योग	**5065**

3.पुस्तकालय में आने वाले समाचार पत्रः-

पुस्तकों की अपेक्षा समाचार–पत्रों से शीघ्र एवं सामयिक ज्ञान प्राप्त होता है। इस बात को ध्यान में रखते हुए पुस्तकालय में नियमित रूप से 13 हिन्दी व अंग्रेजी के समाचार–पत्र पाठकों को उपलब्ध कराये जाते हैं। इसके अतिरिक्त गत एक वर्ष तक सभी 13 समाचार पत्र तिथिवार, माहवार सुरक्षित रखे जाते हैं।

1. दैनिक जागरण
2. हिन्दुस्तान
3. अमर उजाला
4. राष्ट्रीय सहारा
5. नवभारत टाइम्स
6. स्वंत्रत भारत
7- The Times of India
8- The Hindu
9- Business Standard
10- Hindustan Times
11- The Economics Times
12- The Pioneer
13- The Indian Express

4. पुस्तकालय में आने वाली पत्रिकाएं :-

पुस्तकालय में नियमित रूप से 14 पत्रिकायें आती हैं। इन पत्रिकाओं की संख्या 20 करना प्रस्तावित है।

1. इंडिया टुडे
2. प्रतियोगिता दर्पण
3. अखण्ड ज्योति
4. कम्प्यूटर संचार सूचना
5. क्रिकेट सम्राट
6. विज्ञान प्रगति
7. अरिहन्त समसामयिकी महासागर
8. बैंकिंग एझड यू
9. अरिहंत करन्ट अफेयर्स
10. अरिहन्त समसामयिकी
11. आउटलुक
12. क्रॉनिकल
13. कुरूक्षेत्र
14. रोजगार समाचार
15- Emplyment News

5. इंटरनेट, फोटोकापी, स्कैनिंग की व्यवस्था :-

पाठकों के लिए पुस्तकालय में इंटरनेट, फोटोकापी तथा स्कैनिंग की व्यवस्था उपलब्ध है। इंटरनेट की सुविधा फिलहाल सीमित रूप में उपलब्ध है, निकट भविष्य में यह सुविधा अधिकाधिक पाठकों को उपलब्ध कराना प्रस्तावित है।

6. पुस्तकालय में पाठकों की संख्याः–

पुस्तकालय में कुल पाठकों की सदस्यता संख्या 1566 है।

7–पुस्तकालय में प्रतिदिन आने वाले पाठकों की संख्या :

पुस्तकालय में आने वाले पाठकों की संख्या 150 से 200 रहती है।

8. पुस्तकालय के अन्य कार्य :-

पुस्तकालय कार्य के अतिरिक्त अपने पाठकों तथा क्षेत्र में रहने वाले अन्य लोगों को विभिन्न स्तर की नौकरियों व शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश लेने की पूर्ण सूचनायें तथा इससे सम्बन्धित पाठ्य सामग्री उपलब्ध करायी जाती है। इस कार्य से पुस्तकालय की लोकप्रियता बढ़ रही है।

अतिशीघ्र पुस्तकालय में एक विशाल कम्पटीषन जोन खोलने के लिए प्रयासरत् है। पुस्तकों, समाचार पत्रों, प्रतियोगात्मक पत्रिकाओं के साथ–साथ इलेक्ट्रानिक सामग्री तथा इंटरनेट के माध्यम से सदस्यों को सहायता प्रदान करने की व्यवस्था होगी।

पुस्तकालय से सभी वर्ग के लोग निम्नलिखित सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं-:

1. 13 समाचार पत्र, 11 पत्रिकायें, रोजगार समाचार सहित उपलब्ध हैं।
2. अनेकों प्रतियोगिताओं की पुस्तकें उपलब्ध हैं।
3. शिक्षण संस्थाओं में प्रवेश परीक्षा से सम्बन्धित पुस्तकें उपलब्ध हैं।
4. कृषि विज्ञान तथा अन्य सभी विषयों की पुस्तकें उपलब्ध हैं।
5. उपन्यास, कहानी, धार्मिक पुस्तकें तथा अनेकों शिक्षाप्रद पुस्तकें उपलब्ध हैं।
6. बच्चों के लिए बाल साहित्य उपलबध है।
7. पुस्तकालय में इंटरनेट की सीमित सुविधा उपलबध है।
8. पाठकों के लिए कूलर, शीतल जल, सुव्यवस्थित प्रसाधन भी उपलब्ध है।
9. छात्रों के लिए रु0 25.00 तथा सामान्य सदस्यता के लिए रु0 50.00 वार्षिक है।
10. पुस्तकालय खुलने का समय प्रातः 10:00 से सांय 5:00 बजे तक।
11. रविवार तथा भारत सेवा संस्थान द्वारा स्वीकृत राजपत्रित अवकाश में पुस्तकालय बन्द रहेगा।

8- सी0बी0गुप्ता बी0एस0एस0 महाविद्यालय, चन्द्रावल, लखनऊ

सी0बी0 गुप्ता बी0एस0एस0 महाविद्यालय, चन्द्रावल, लखनऊ की बिल्डिंग बनकर तैयार हो गयी है तथा लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्धता हेतु आवेदन किया गया था। जिसकी अनापत्ति प्रमाण पत्र कुलसचिव लखनऊ विश्वविद्यालय के पत्र सं0 AF-47004/noc/सम्बद्धता/2017 दिनांक 04.09.2017 के द्वारा प्राप्त हो गयी है तथा लखनऊ विश्वविद्यालय को पैनल गठन हेतु निर्धारित शुल्क के साथ दिनांक 06.10.2017 को पत्र लिखा जा चुका हैं। पैनल के द्वारा निरीक्षण के पश्चात् आगे की कार्यवाही अपेक्षित है।

9 (अ) <u>अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी</u>

भारत सेवा संस्थान द्वारा 19वीं अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी ''इन्टीग्रेशन मेडिसिन फॉर परफेक्ट हेल्थ '' का आयोजन दिनांक 04 से 06 नवम्बर 2016 तक सफलतापूर्वक किया गया जिसमें देश–विदेश के करीब 500 विशेषज्ञों/चिकित्सकों ने भाग लिया। इस संगोष्ठी में भारत साउथ अफ्रीका, अमेरिका, बांग्लादेश, नेपाल, मलेशिया, बिट्रेन आदि अनेक देशों के प्रतिष्ठित चिकित्सकों ने भाग लेते हुए आयुर्वेद, एलोपैथ, होम्योपैथ, यूनानी, योगा आदि विषयों पर अपने विचार प्रकट कर संगोष्ठी को सफल बनाते हुए भारत सेवा संस्थान का नाम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर लाने में सहयोग प्रदान किया।

अन्य समाजसेवी कार्य

- श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त जी की जन्मतिथि व पुण्यतिथि पर कुष्ठाश्रम में रहने वाले व्यक्तियों को भोजन व अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- उत्तराखण्ड बाढ़ से ग्रसित लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान की गयी है।
- कैंसर रिसर्च इस्टीट्यूट, पूणे Interactive Research School for Health Affairs (IRSHA) को अनुसंधान में सहयोग हेतु रु0 3 लाख की आर्थिक सहायता की अंतिम किश्त रु0 75,000/–को भी जारी कर दिया गया है।
- ग्रामीण संगोष्ठी का आयोजन एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम ।
- कश्मीर के बाढ़ ग्रस्त इलाकों से आये लोगों की आर्थिक सहायता।
- आचार्य नरेन्द्र देव की जन्मतिथि व पुण्यतिथि को हर्षोल्लास से मनाया गया, जिसमें महामहिम राज्यपाल व माननीय मुख्यमंत्री, उ0प्र0 भी उपस्थित थे।
- अपना घर बाल एवं महिला उत्थान समिति , बद्रीपुर, जोगीवाला देहरादून को रु0 80,000/–(रुपये अस्सी हजार मात्र) बैंक ड्राफ्ट सं0 028218 दिनांक 15.10.2016 के माध्यम से आश्रम में टीनशेड बनवाने हेतु दिया गया।
- डा0 जवाहरलाल रोहतगी स्मारक नेत्र चिकित्सालय कानपुर को रुपये दो लाख अनुदान दिनांक 28.03.2017 को दिया गया।
- जवाहरलाल रोहतगी स्मारक नेत्र चिकित्सालय कानपुर द्वारा श्रद्धेय चन्द्रभानु गुप्त की स्मृति में किये गये निःशुल्क ऑपरेशन हेतु रु0 दो लाख दिनांक 28.03.2017 को दिया गया।
- कस्तूरबा गांधी राष्ट्रीय स्मारक ट्रस्ट द्वारा संचालित विद्यालय पसना इलाहाबाद को रु0 5000/–का अनुदान डी0डी0सं0 280356 दिनांक 01.02.2017 को दिया गया।

संस्थापक मा0 श्री चन्द्रभानु गुप्त जी का जन्मदिवस समारोह (14 जुलाई, 2016)-:

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी 14 जुलाई, 2016 को प्रातः मोतीमहल स्थित उनकी समाधि स्थल पर हवन, पूजन व पुष्पांजलि अर्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। तदोपरांत चन्द्रभानु गुप्त स्मारक नवचेतना केन्द्र तथा रवीन्द्रालय स्थित उनकी मूर्तियों पर माल्यापर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उनके निवास स्थान सेवाकुटीर में भी उन्हें भावभीनी श्रद्धाजंलि अर्पित की गई। मदर टरेसा की चेरीटेबल संस्था जो मोहनलालगंज लखनऊ में स्थित है वहां पर 300 कुष्ठ रोगियों के लिए भण्डारा कराया गया।

सायंकाल चारबाग, लखनऊ स्थित रवीन्द्रालय में मुख्य जन्मदिवस समारोह उल्लासपूर्वक मनाया गया। जिसमें मुख्य अतिथि माननीय श्री माता प्रसाद जी, पूर्व राज्यपाल थे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता मा0 श्री भगवती सिंह, अध्यक्ष भारत सेवा संस्थान ने की।

पुण्य तिथि-:

11 मार्च, 2017 को भारत सेवा संस्थान और मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में मा0 श्री चन्द्रभानु गुप्त जी की पुण्य तिथि पर पूर्ववत् विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये। मदर टरेसा की चेरीटेबल संस्था जो मोहनलालगंज लखनऊ में स्थित है वहां पर 200 कुष्ठ रोगियों के लिए भण्डारा कराया गया। इसके अलावा स्व0 चन्द्रभानु गुप्त के निवास स्थान पानदरीबा की कोठी पर भी 100 लोगों का भण्डारा कराया गया। दोनों स्थानों पर लगभग 300 लोगों ने भण्डारा किया।

आभार ज्ञापन

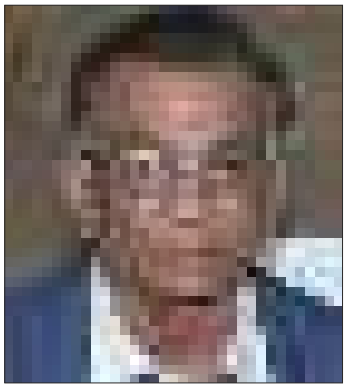

मैं भारत सेवा संस्थान की प्रशासन परिषद के सभी सदस्यों, और विशेषकर अध्यक्ष मा0 श्री भगवती सिंह, उपाध्यक्ष डा0 दाऊजी गुप्त एवं कोषाध्यक्ष डा0 अशोक बाजपेयी, का आभारी हूँ, जिनके मार्गदर्शन एवं सहयोग से ही संस्थान के विभिन्न समाजसेवी कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हो सके है। मोतीलाल मेमोरियल सोसाइटी के उन पदाधिकारियों एवं वर्तमान सदस्य, अंतरिम समिति के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूं, जिनका यथोचित सहयोग मुझे समय–समय पर कार्य सम्पादन में मिलता रहा है।

2016–17 के अंकेक्षित लेखे संलग्न है।

(डा0 जे0एन0मिश्र)
अवैतनिक महामंत्री

S.K. BHATTBHATT & CO.

Chartered Accountants

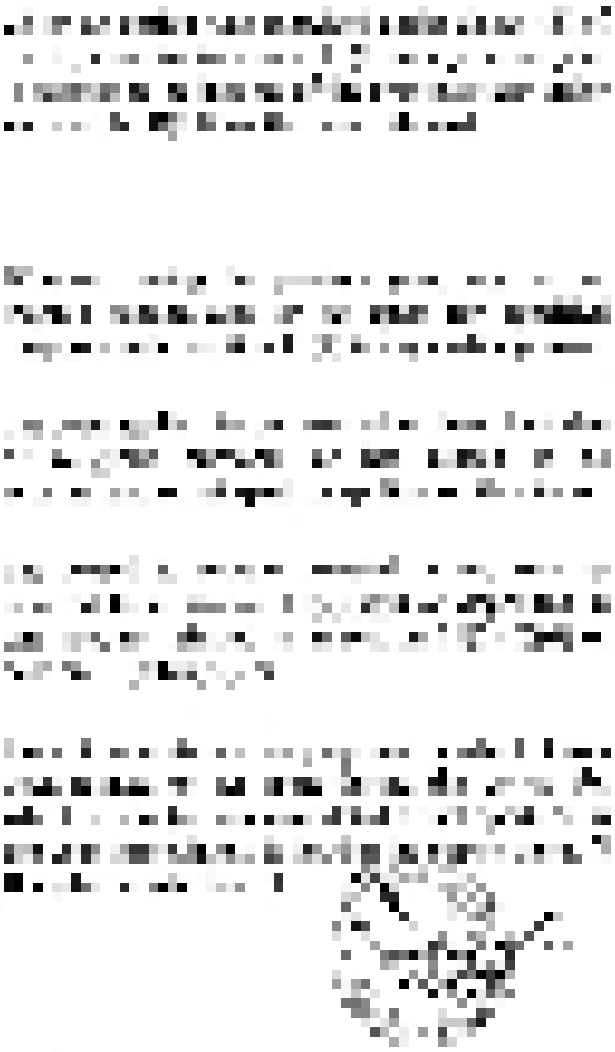

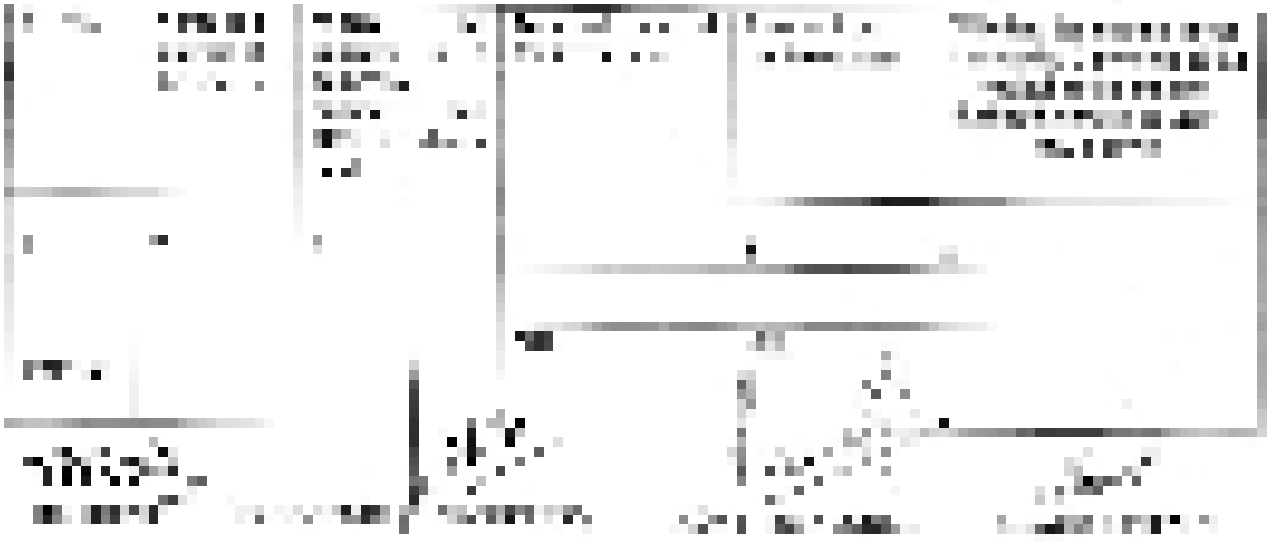

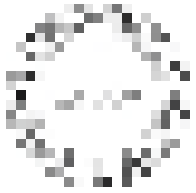

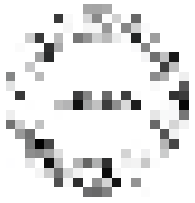

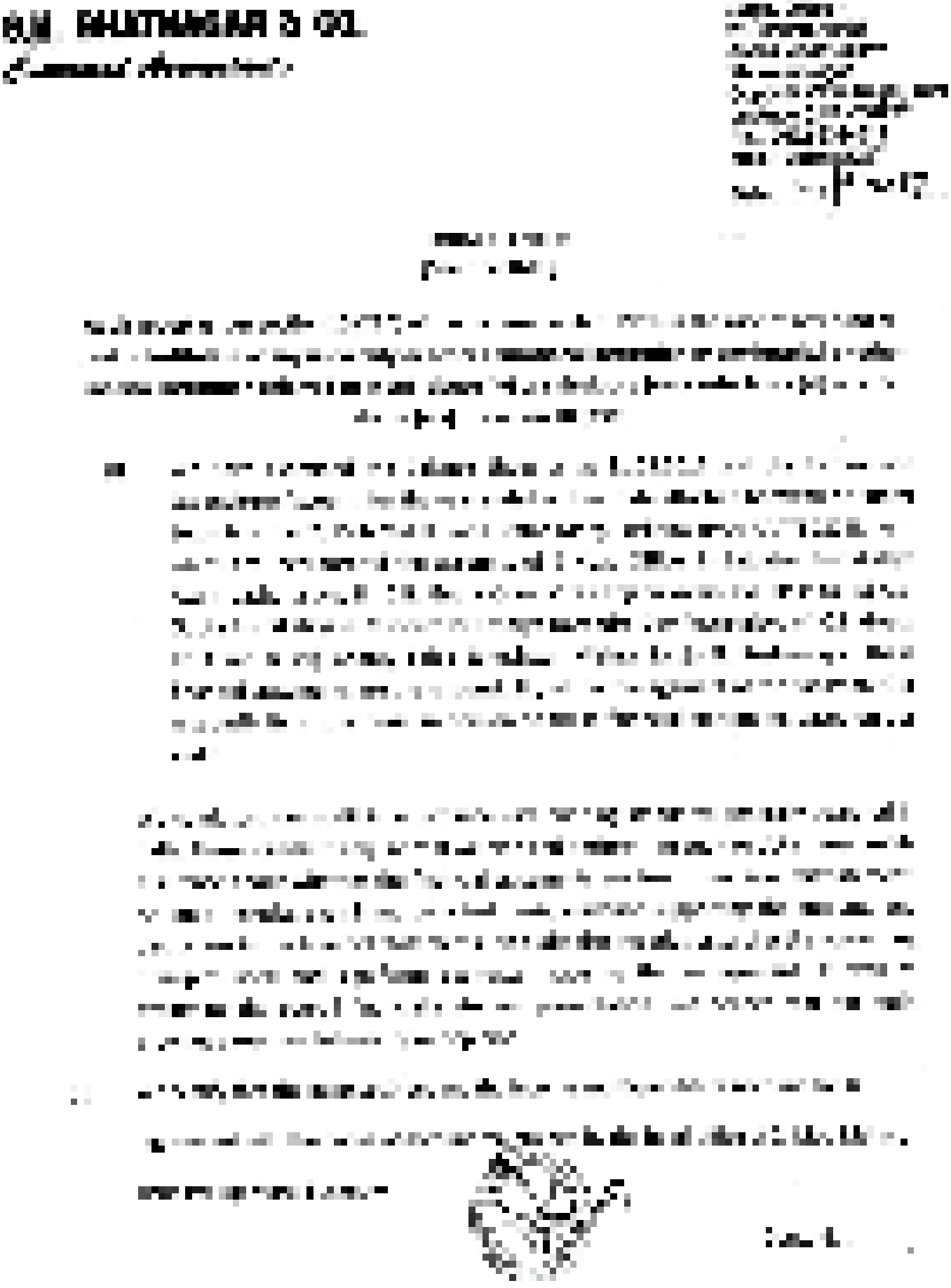

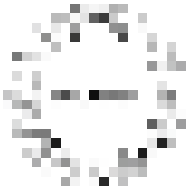

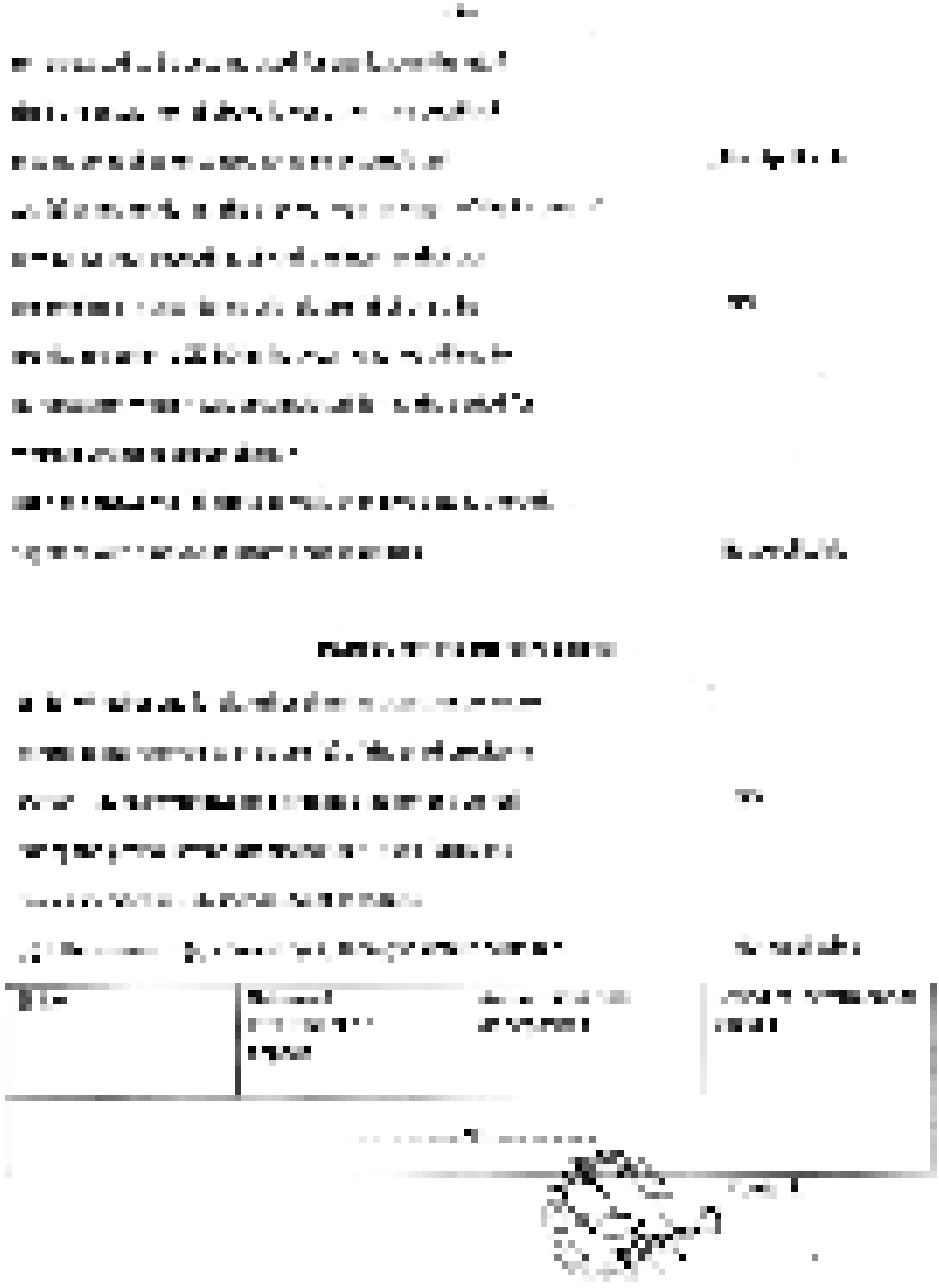

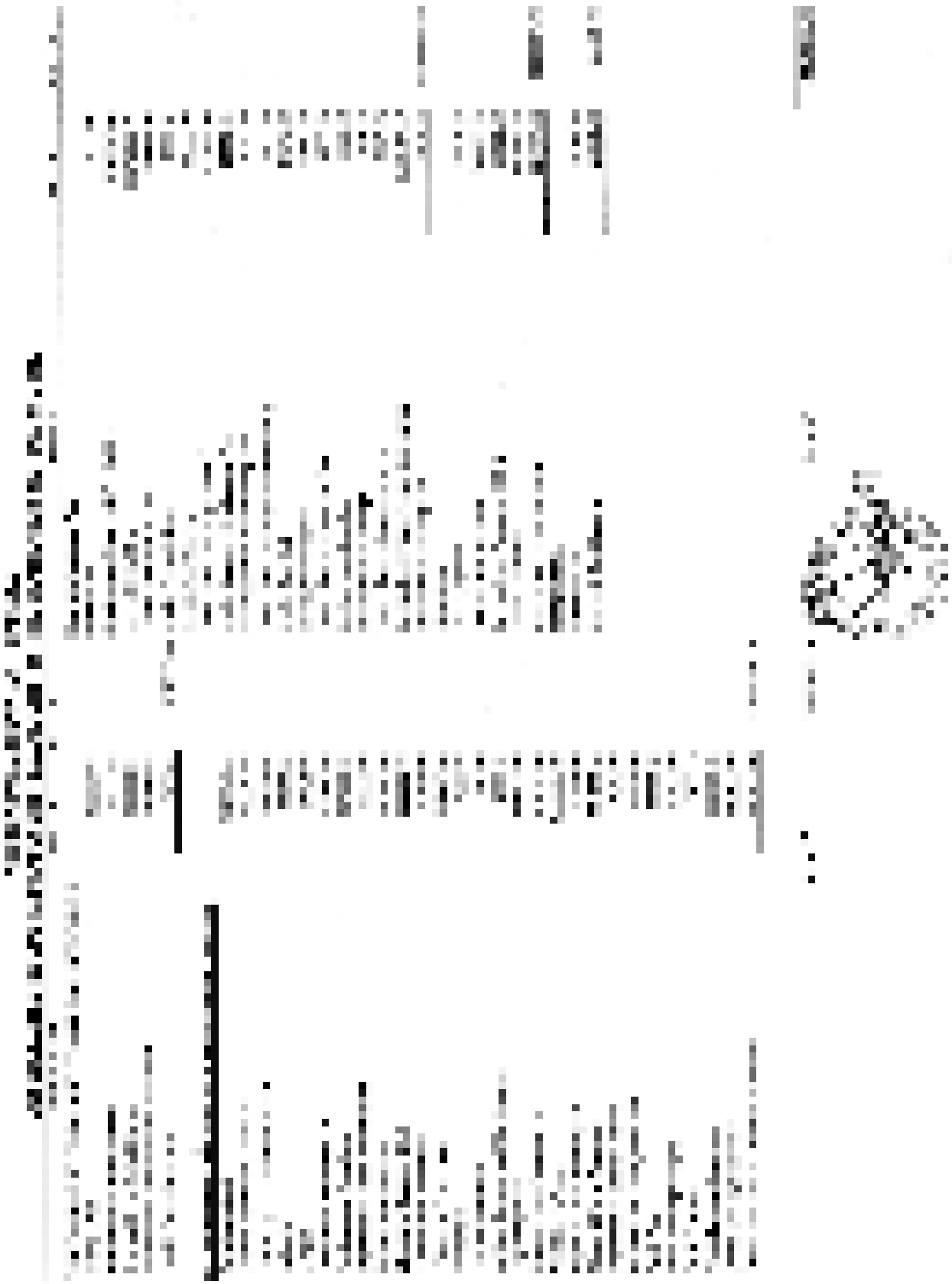

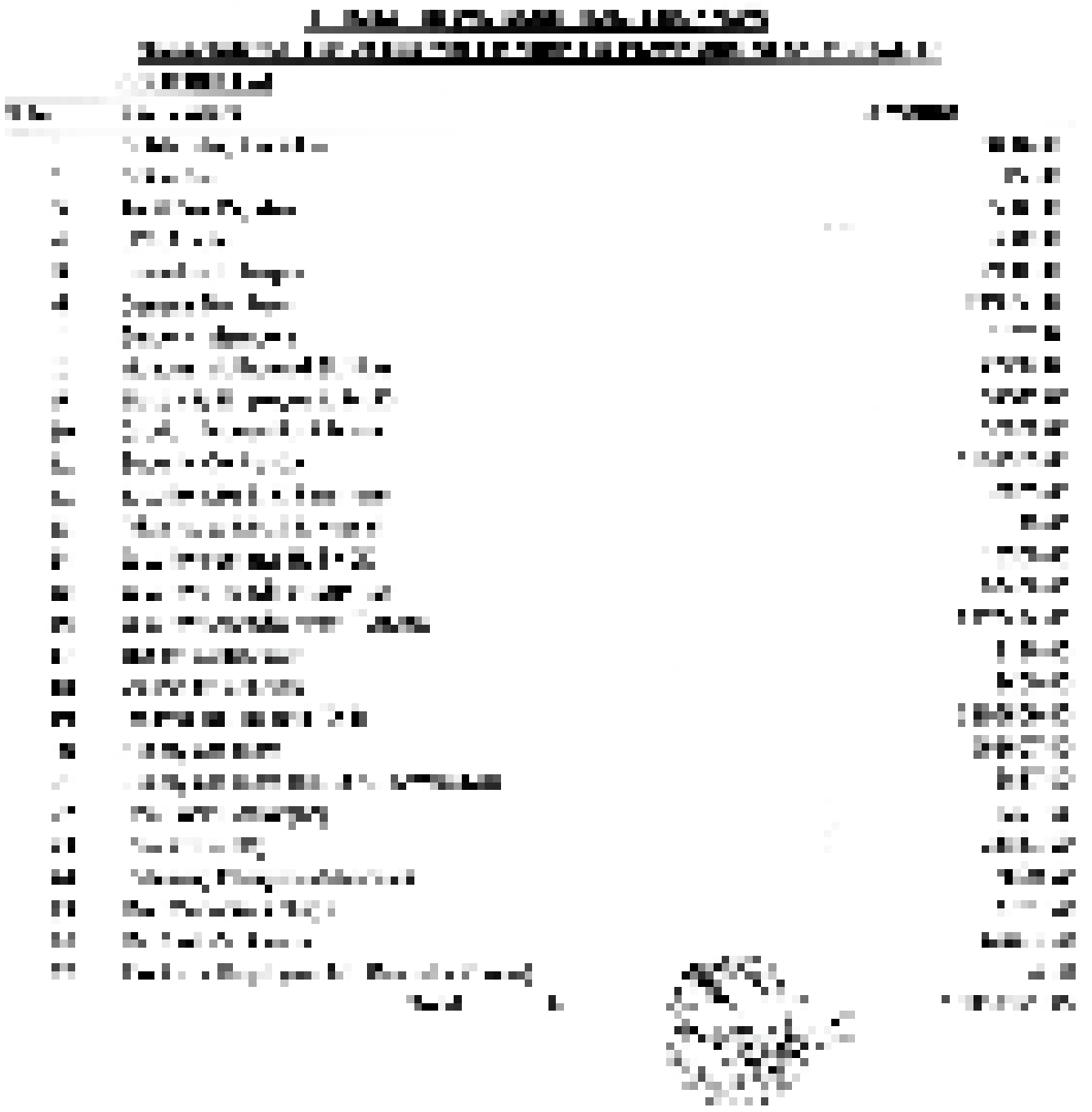

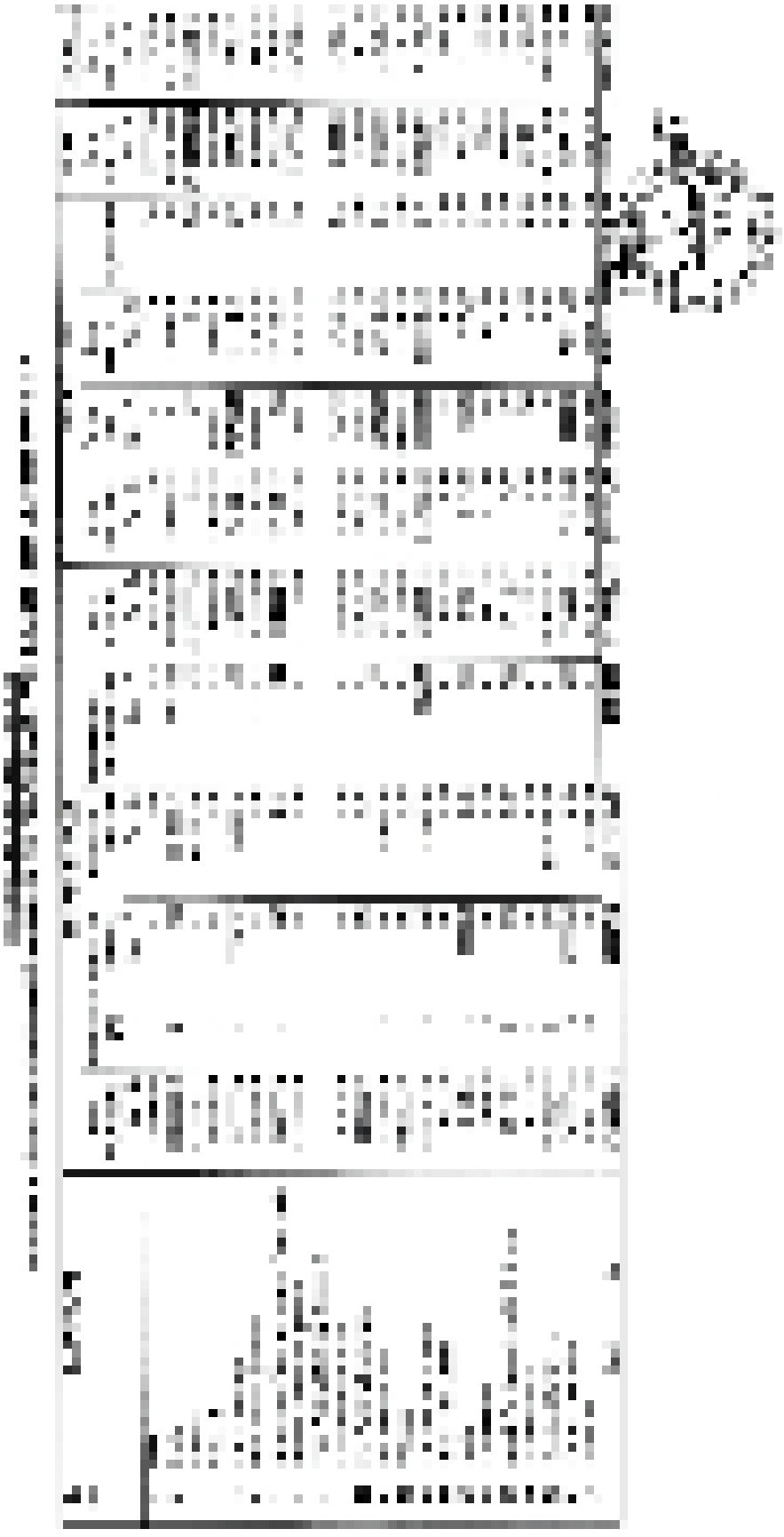

[redacted]

[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		

[redacted]

[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		
[redacted]		

[redacted]

[redacted]		
[redacted]		

[redacted]

[redacted]		
[redacted]		

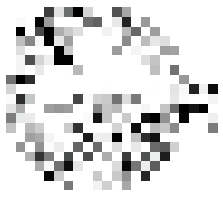

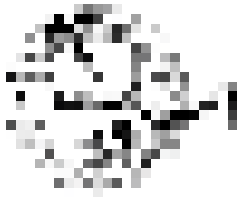

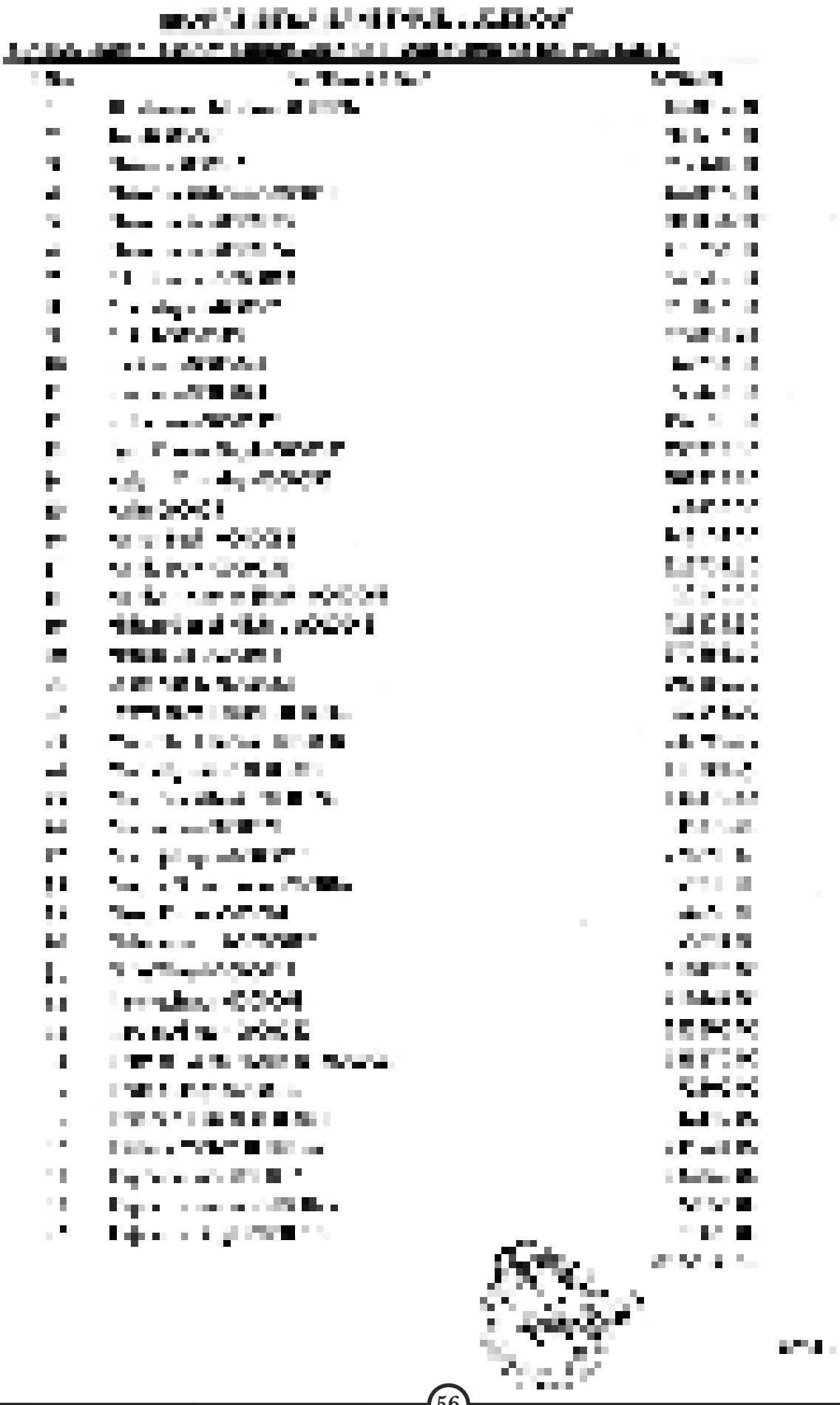

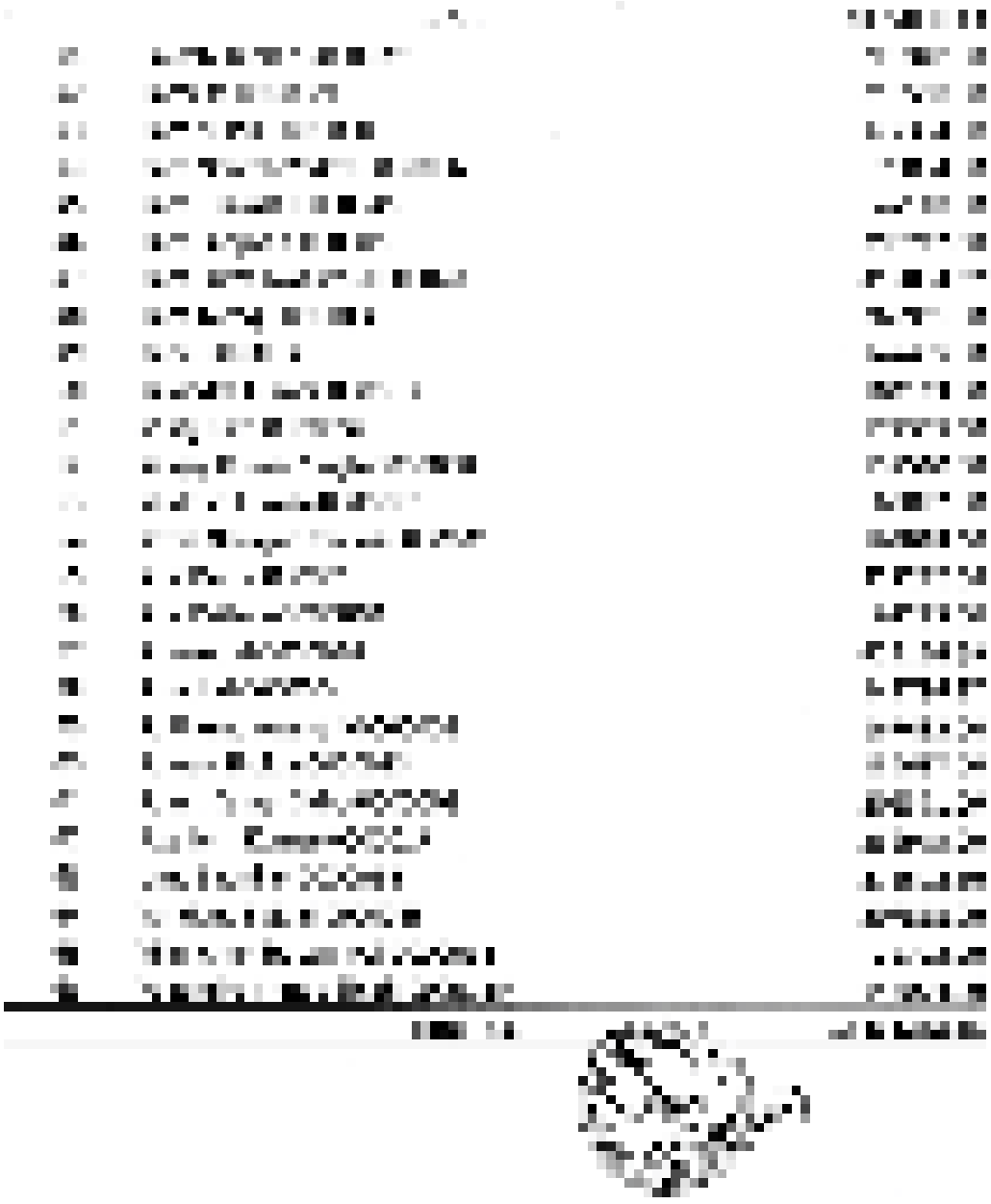

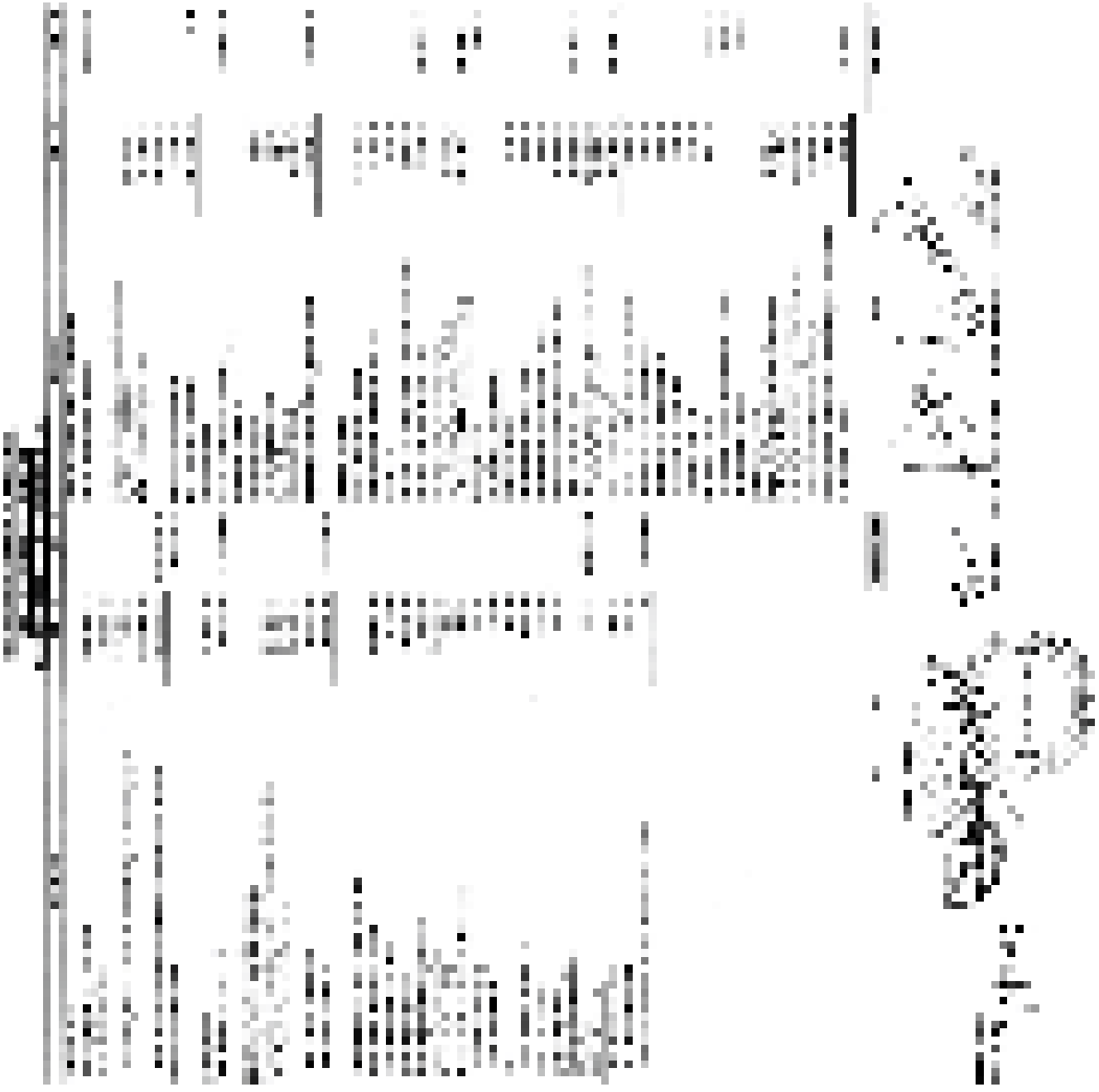

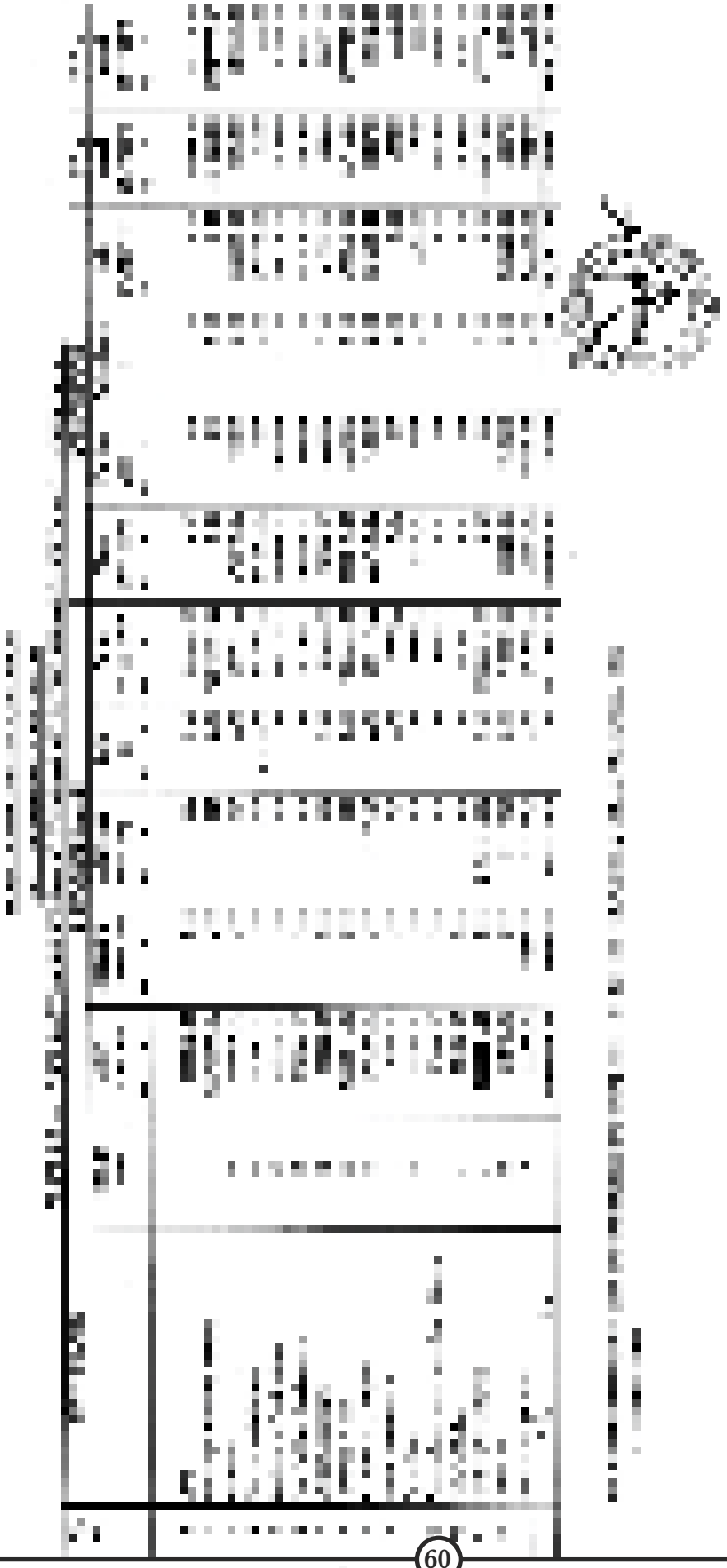

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

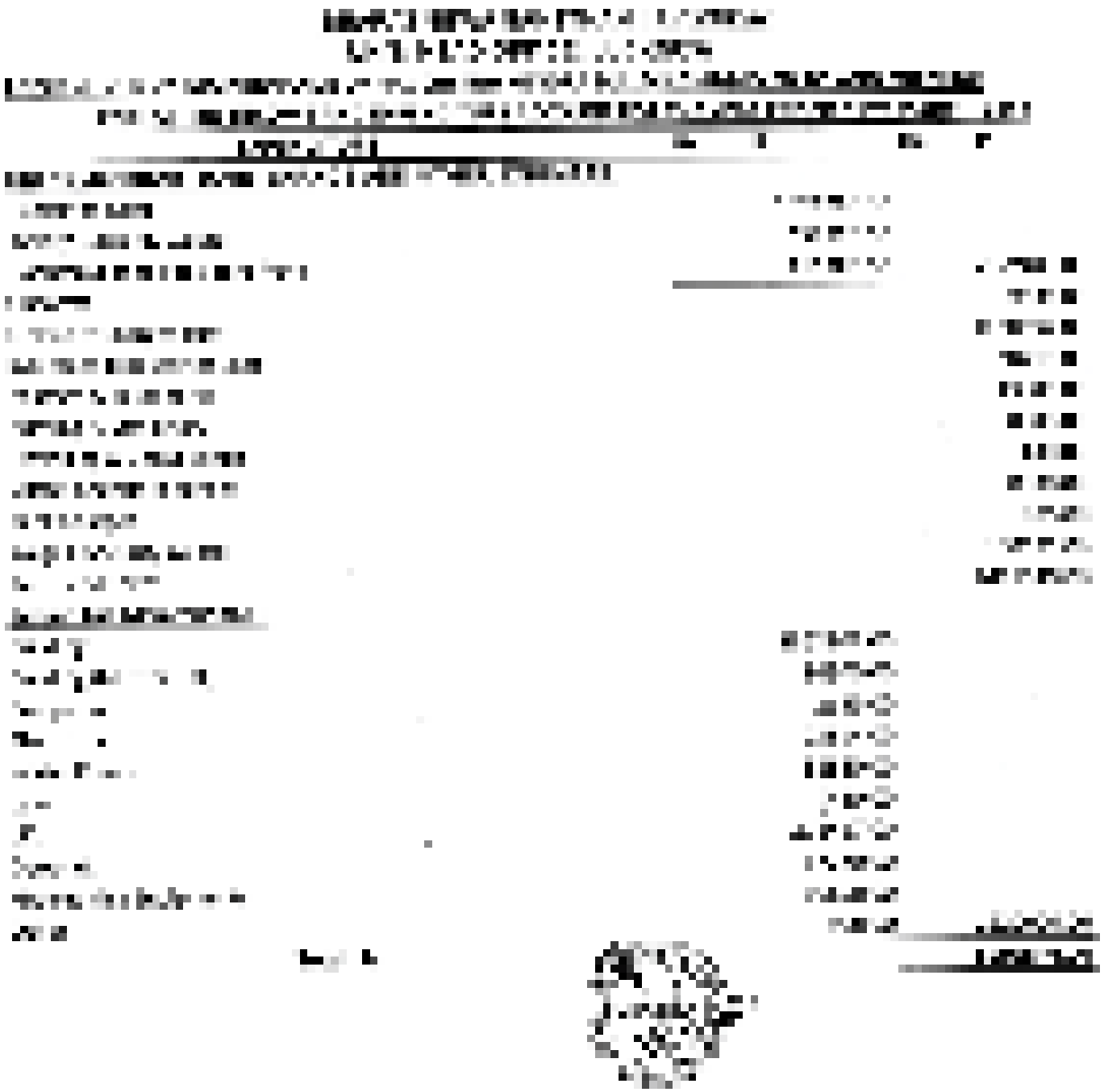

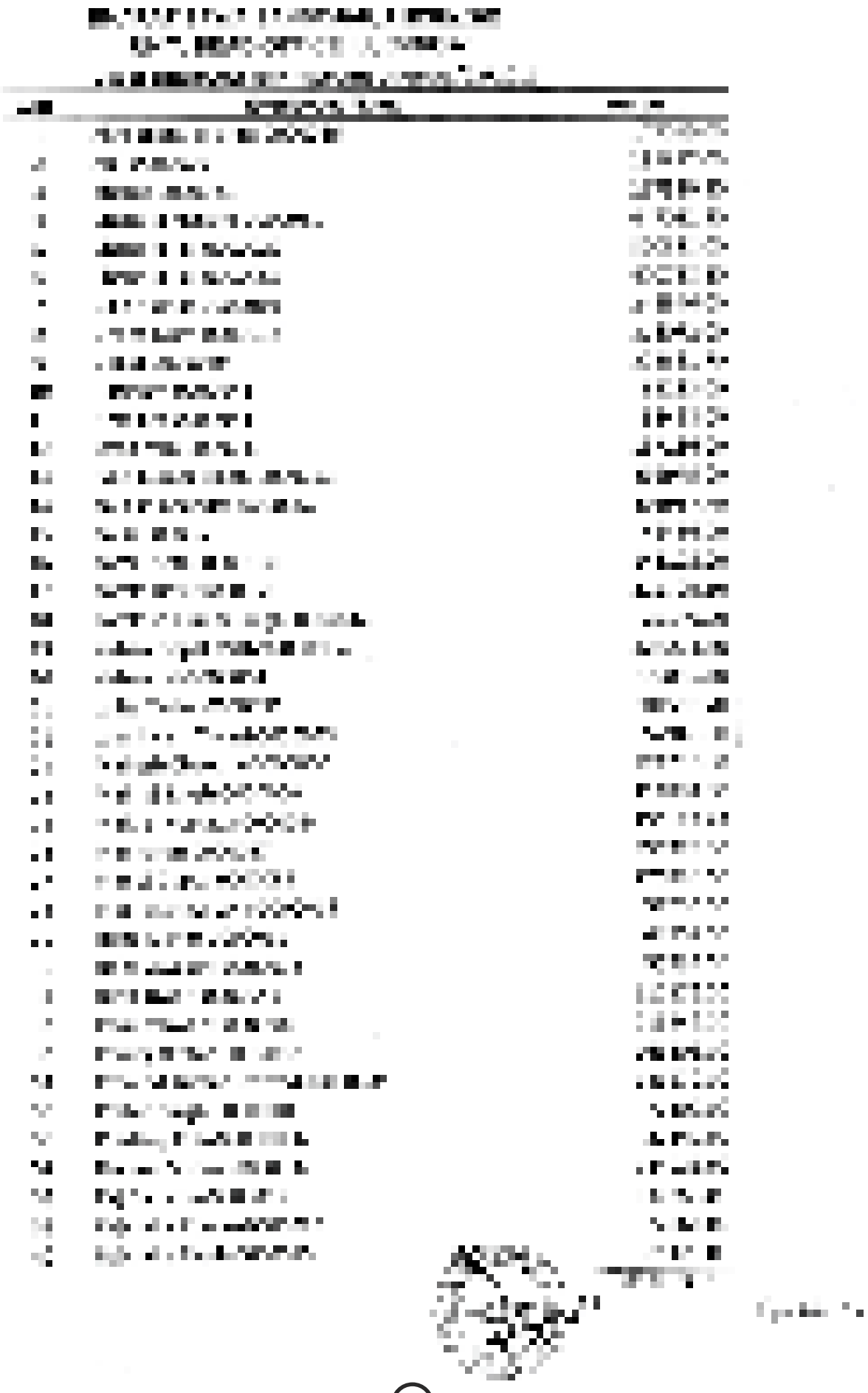

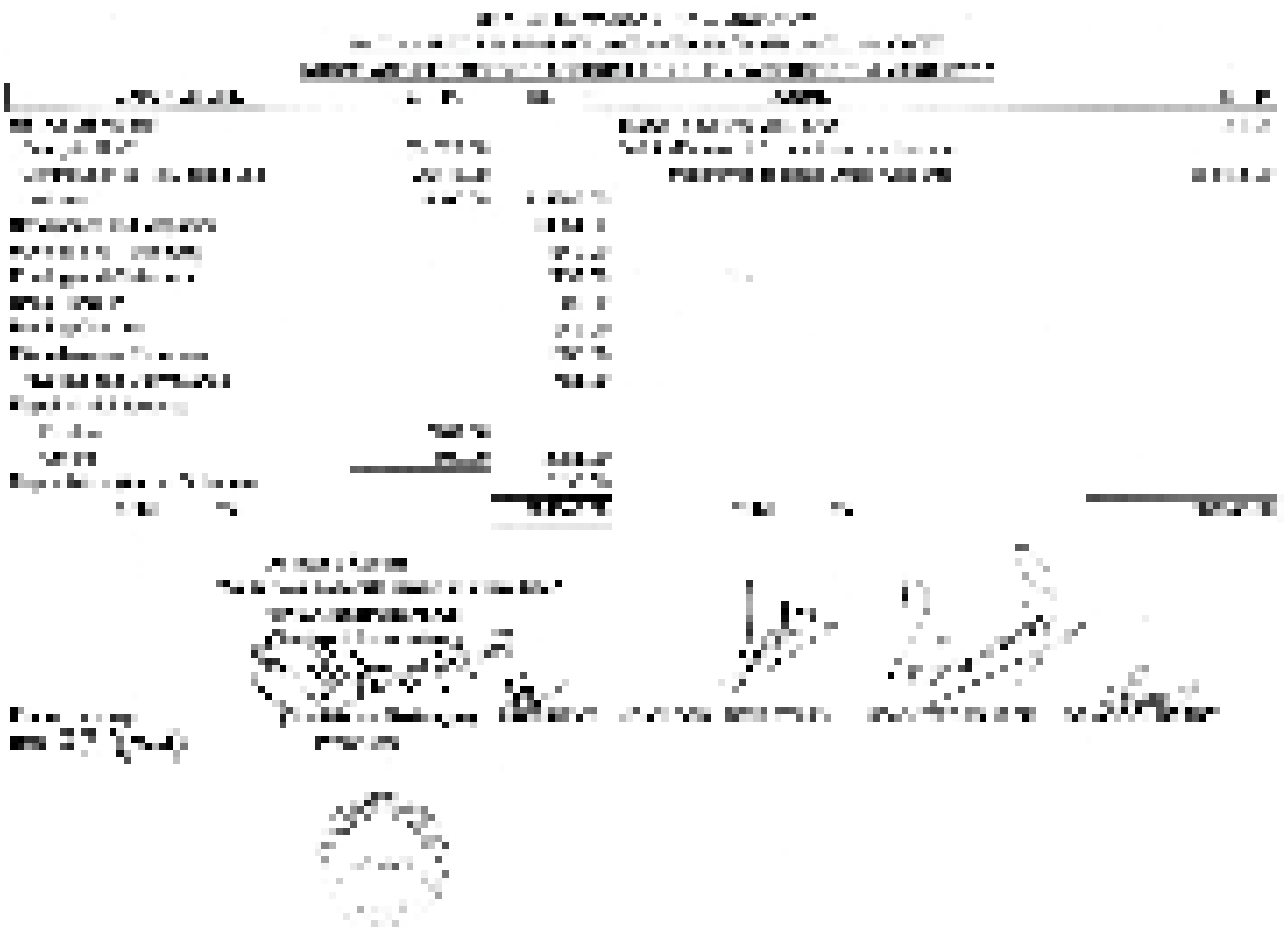

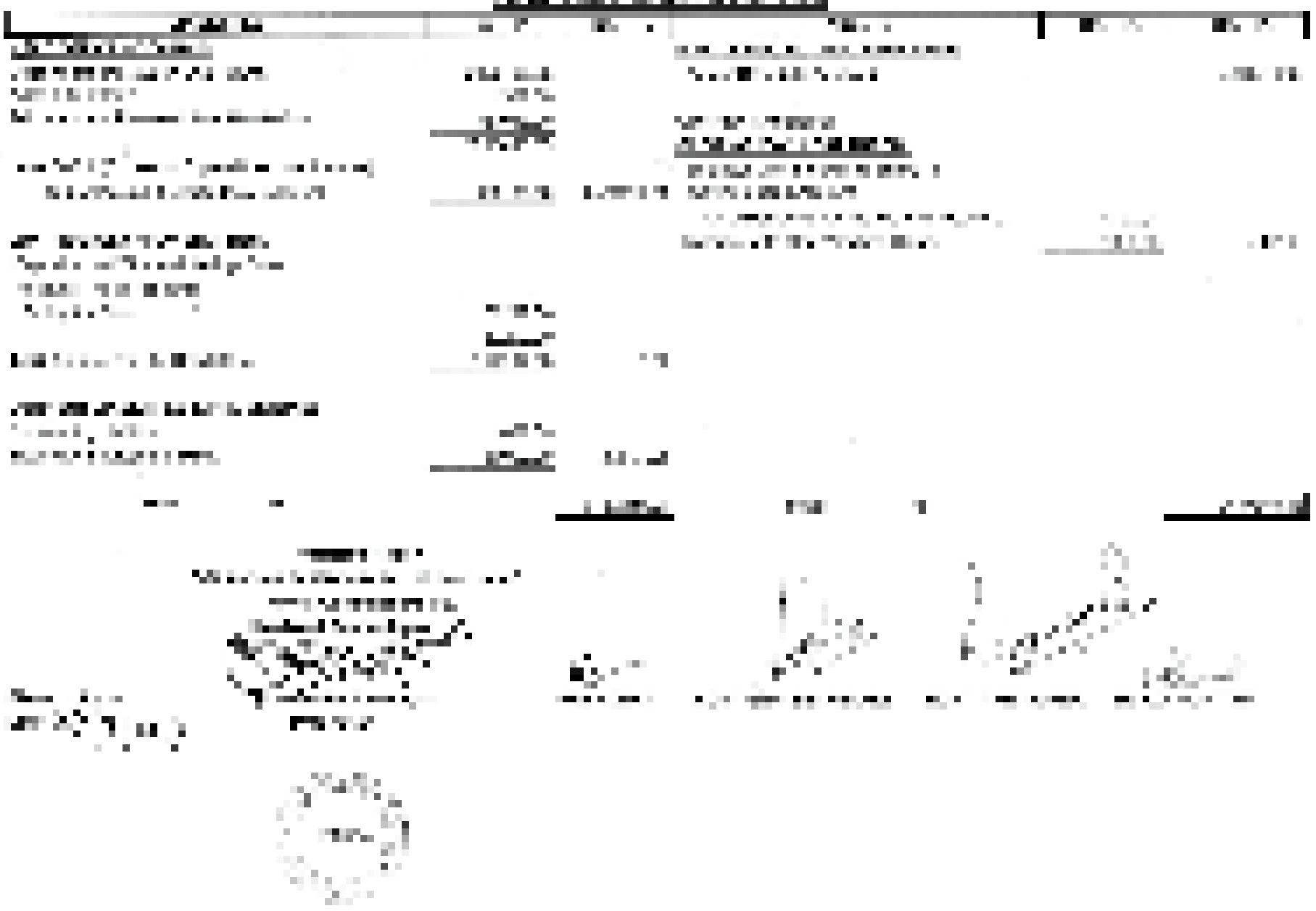

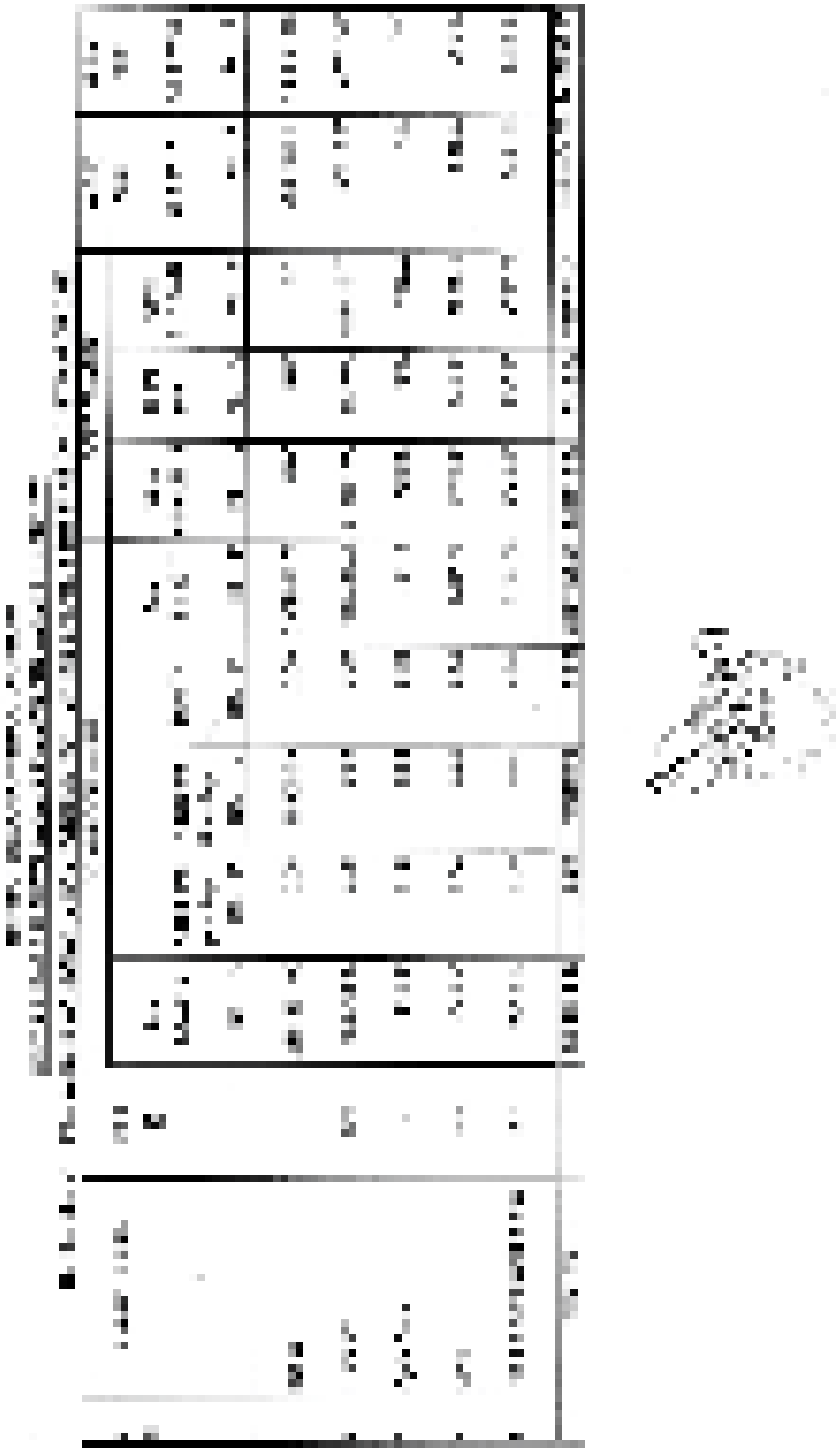

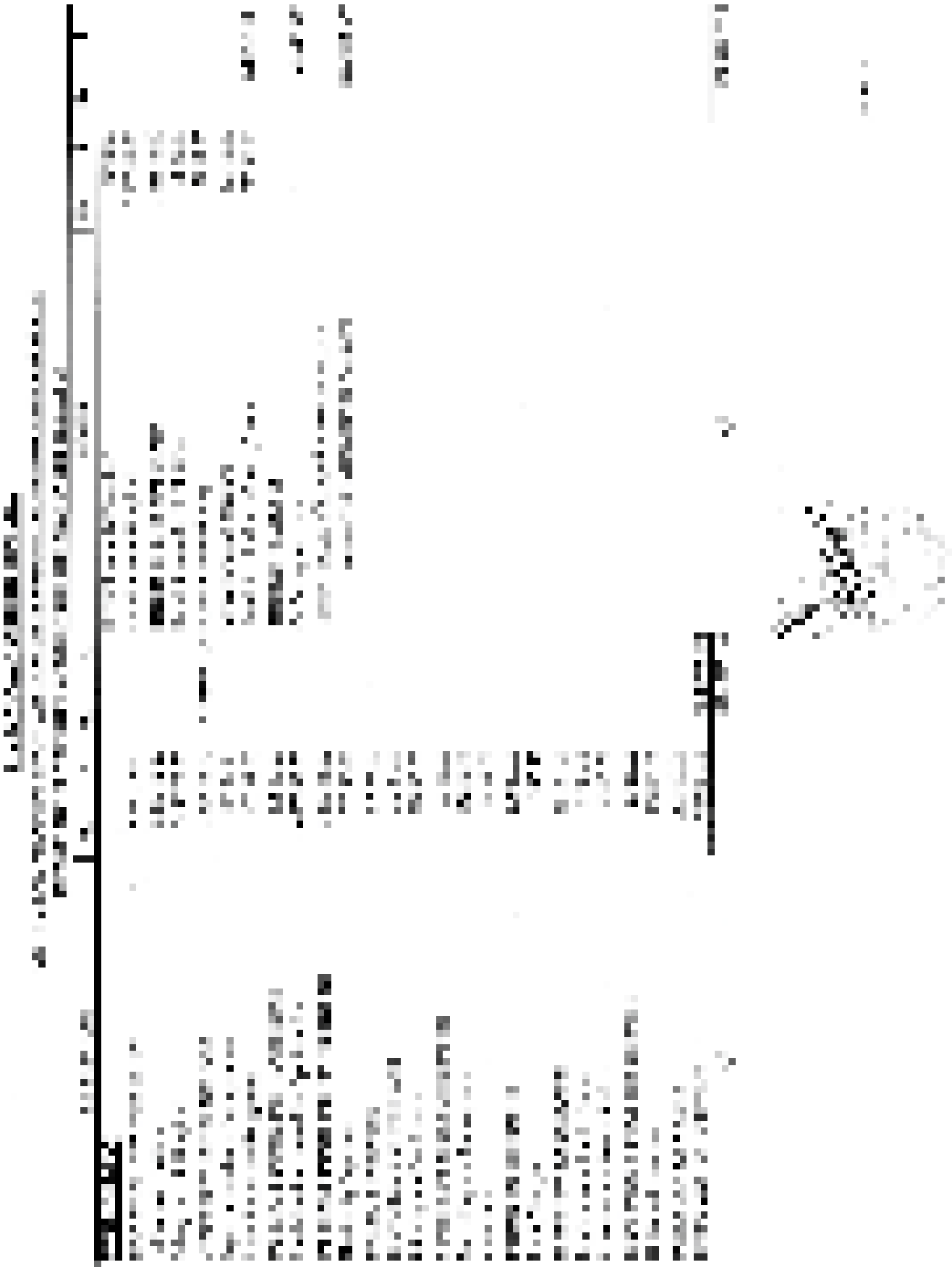

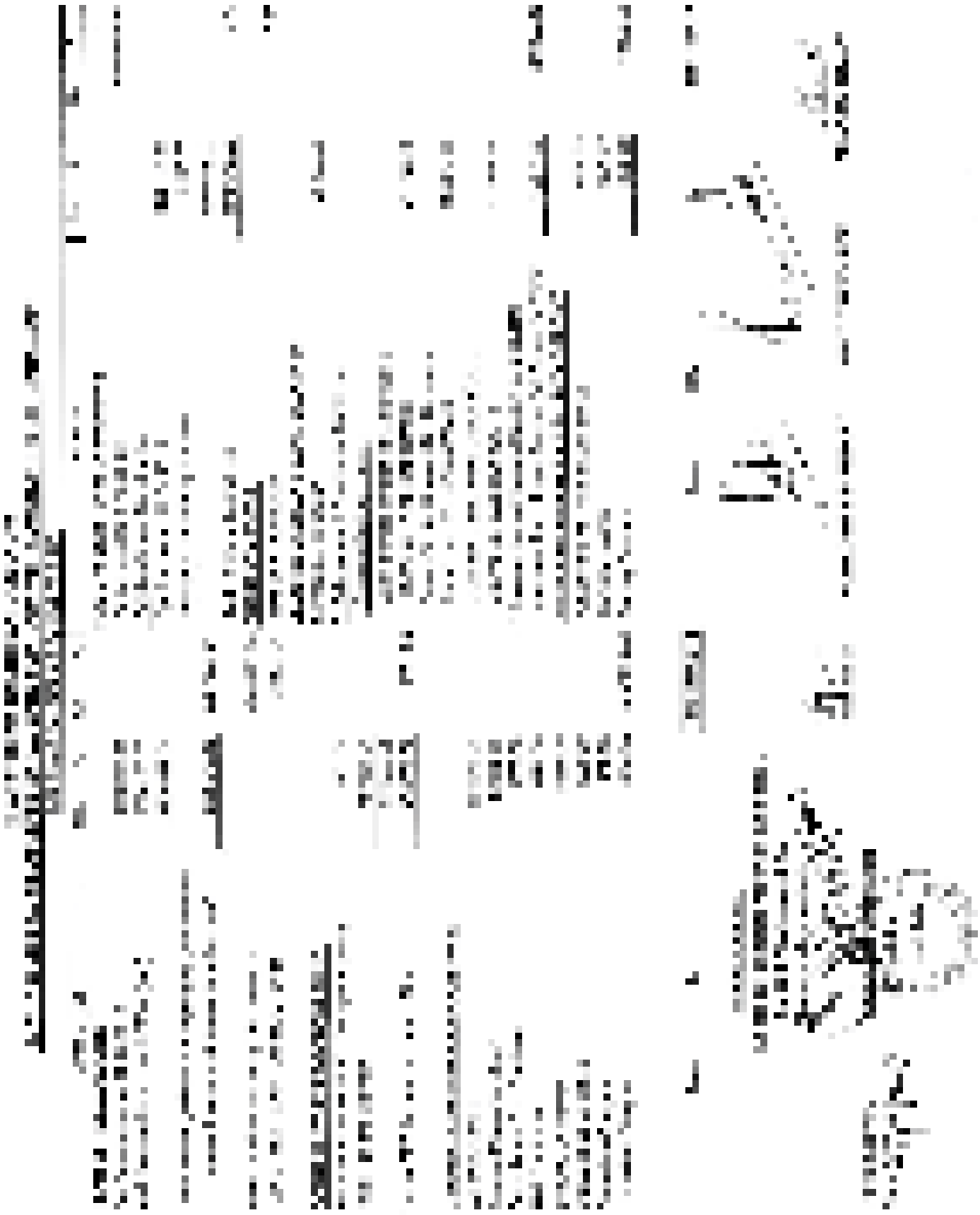

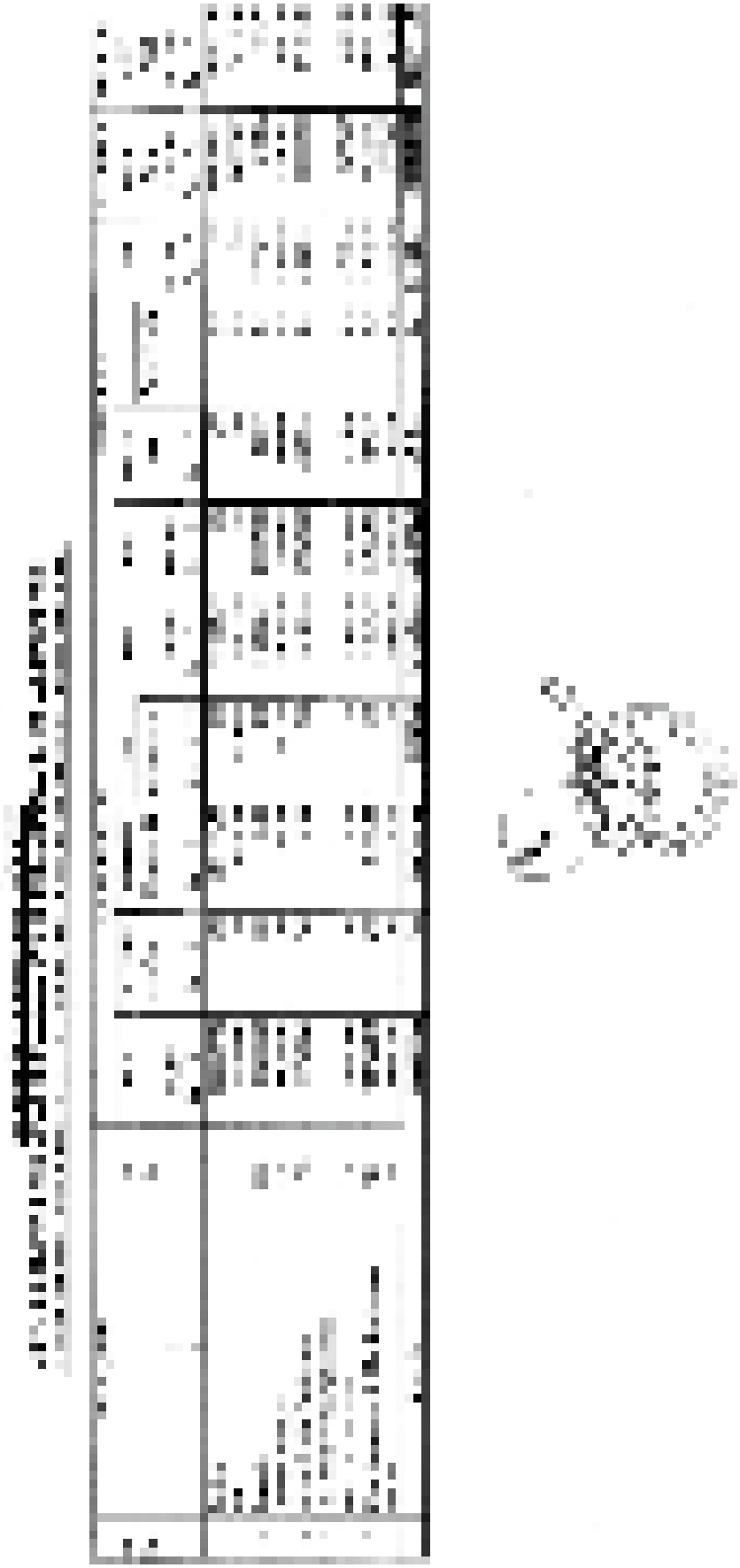

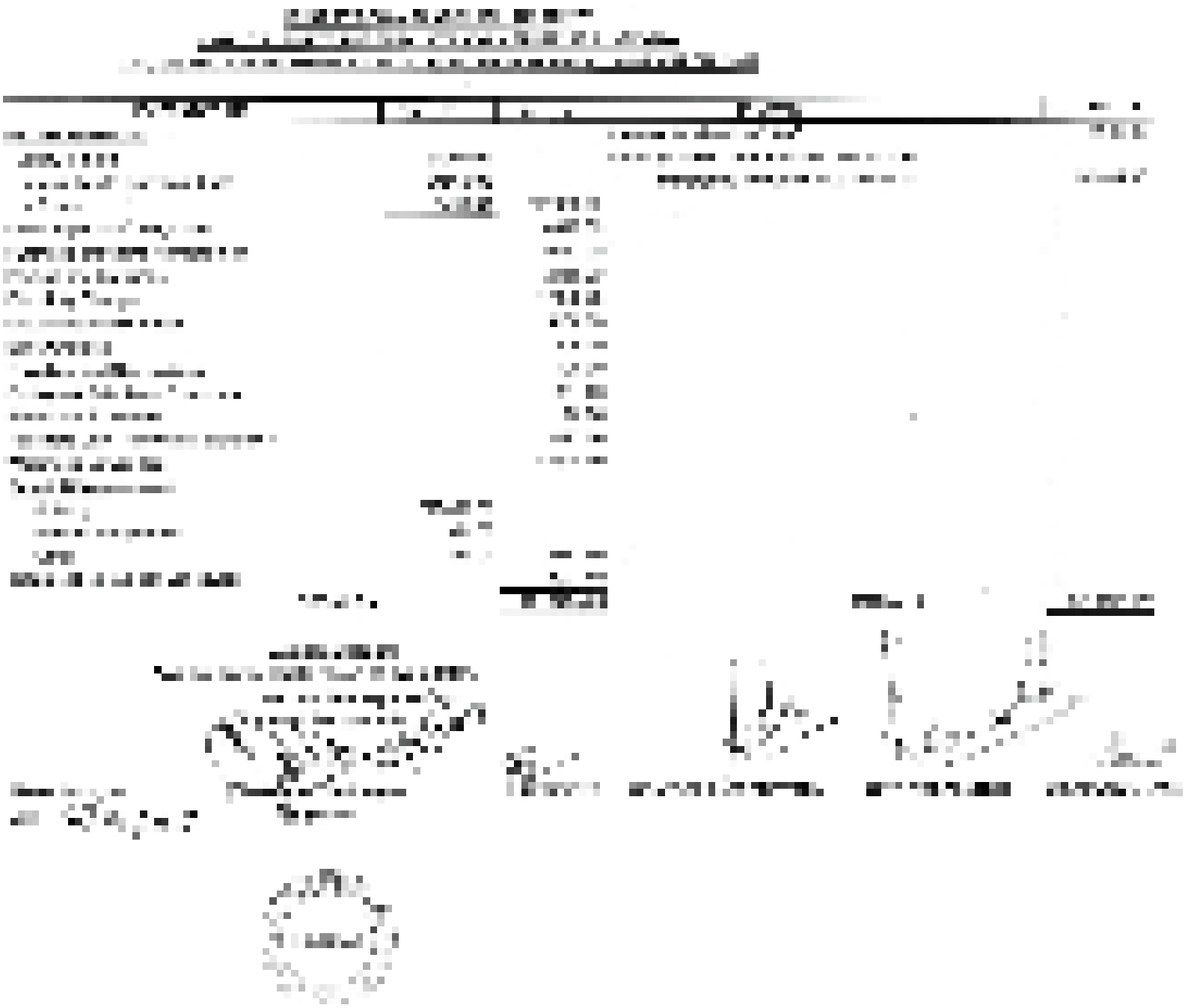

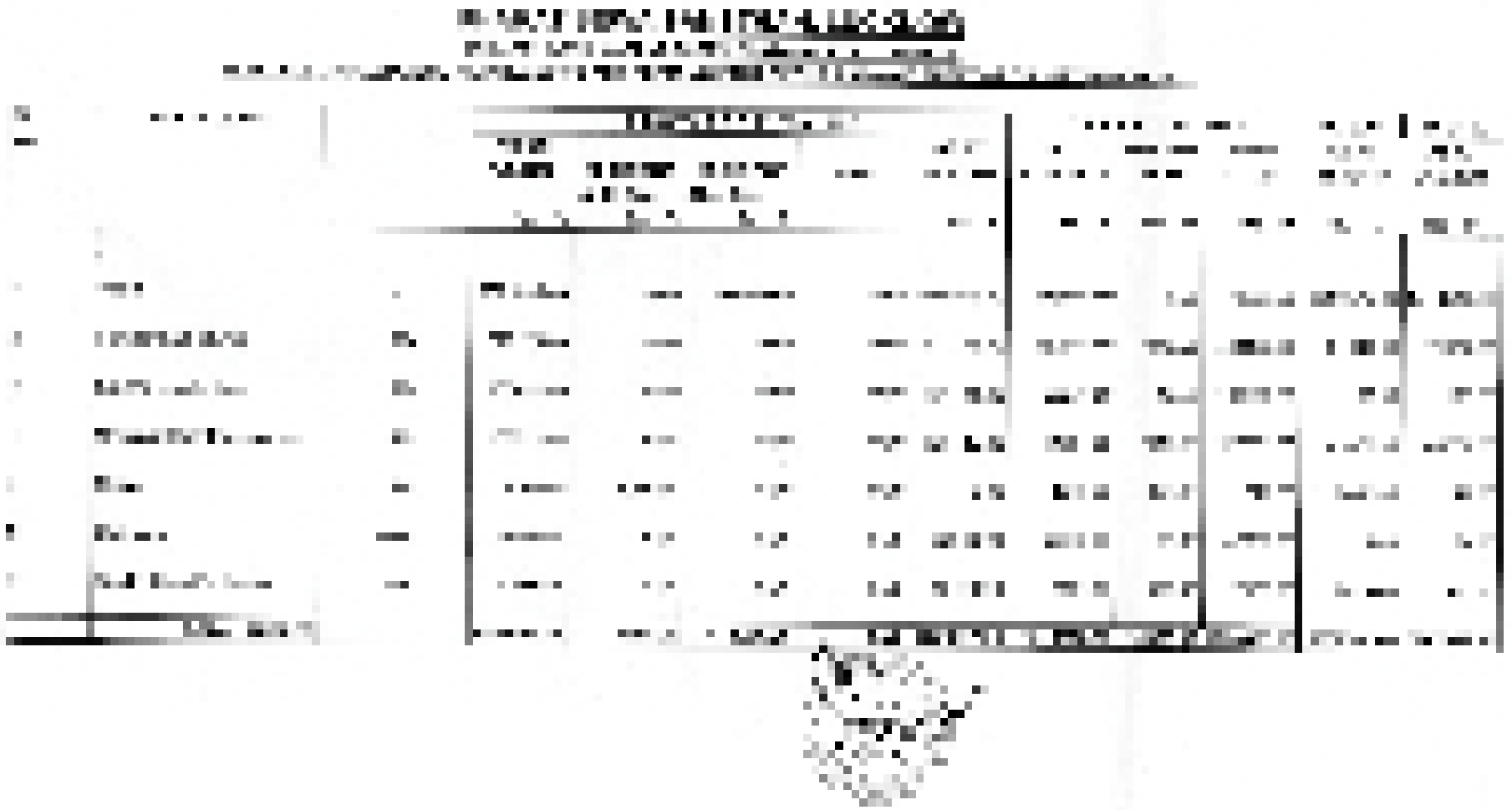

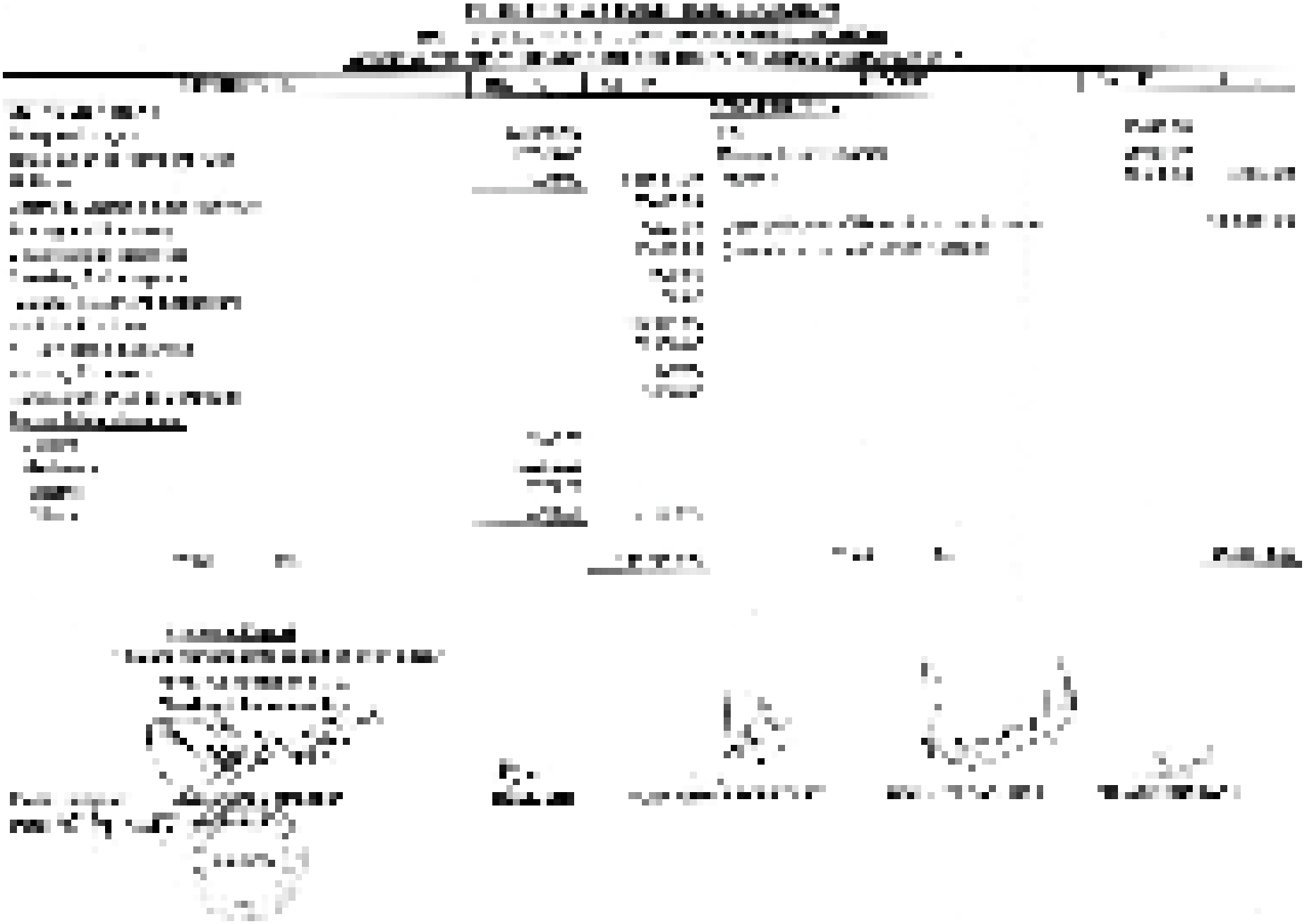

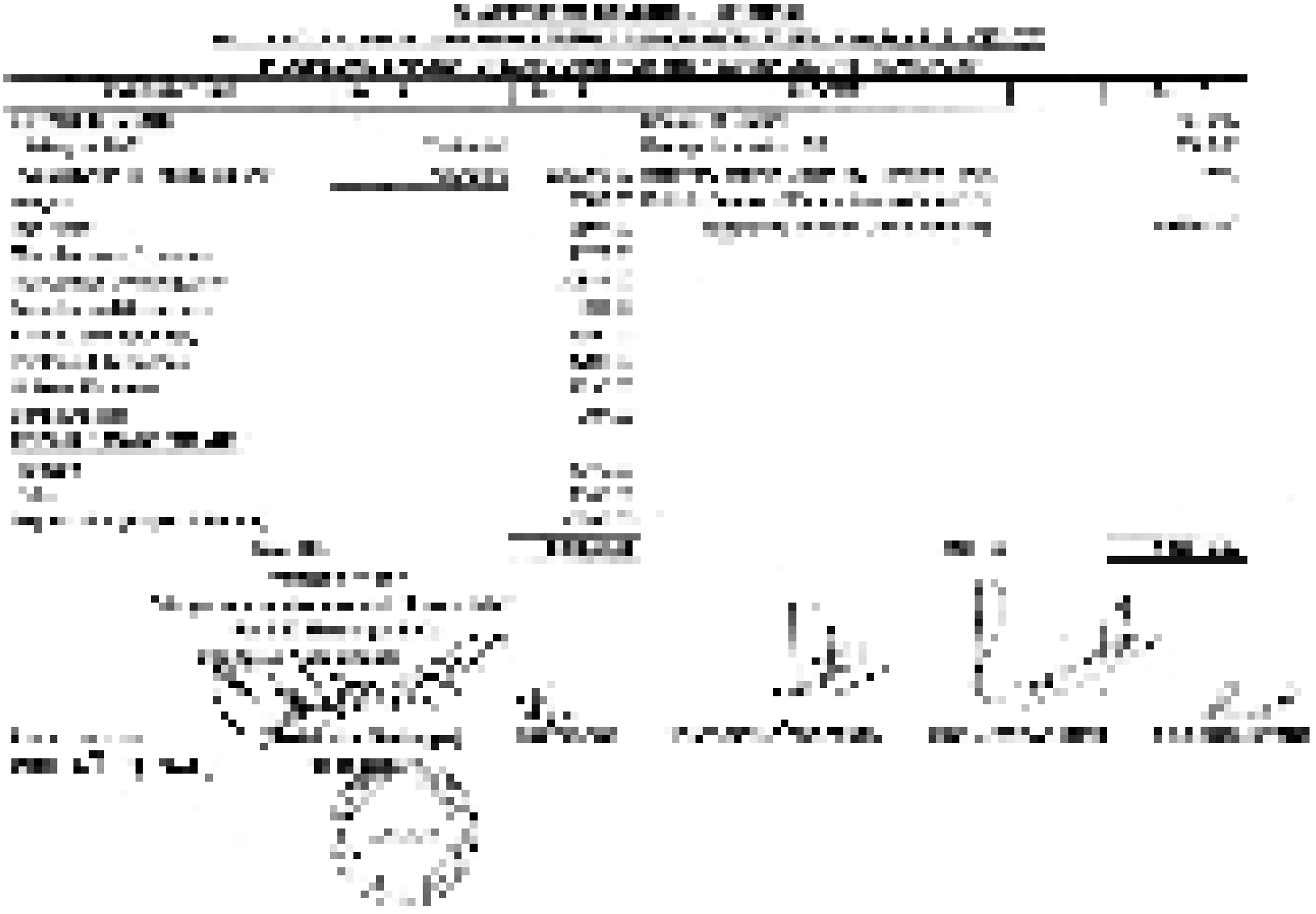

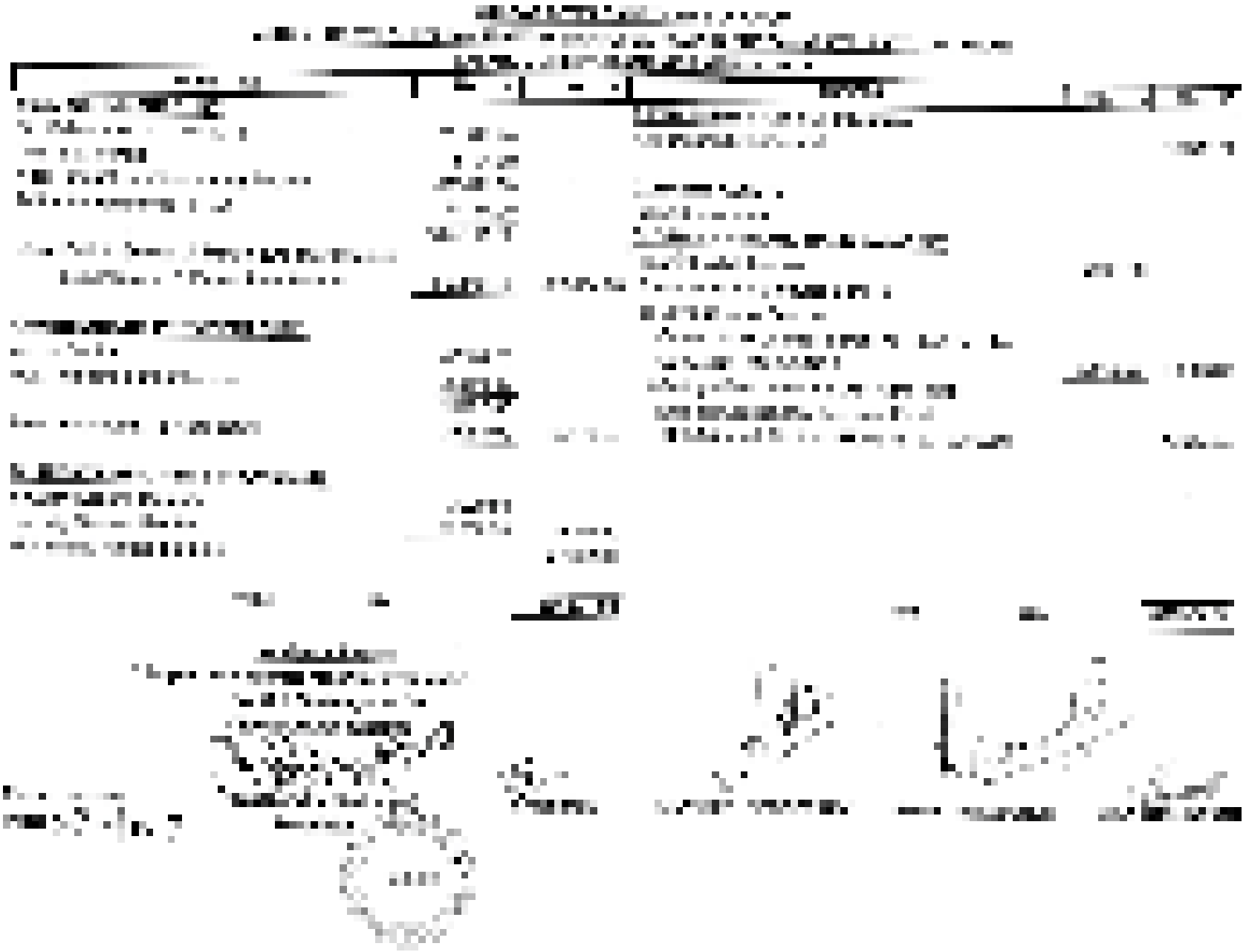

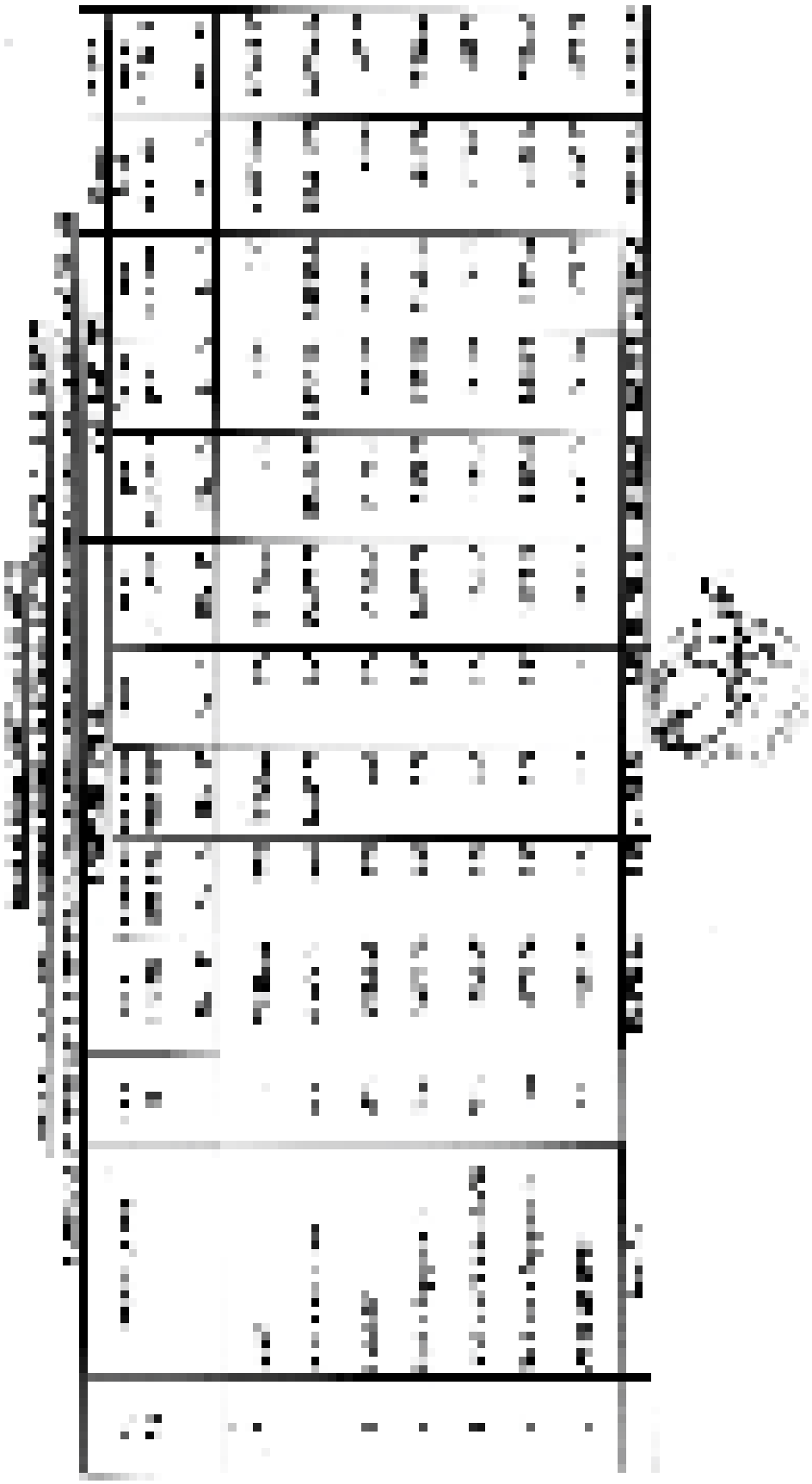

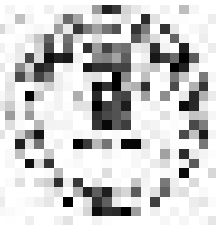

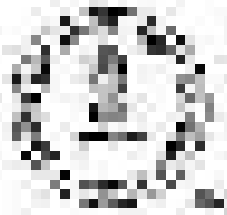

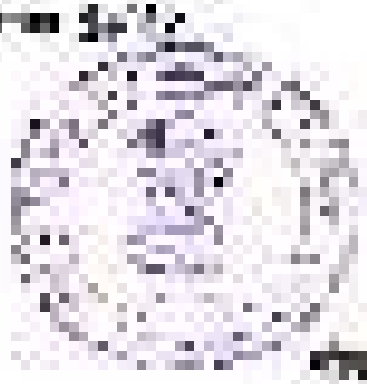

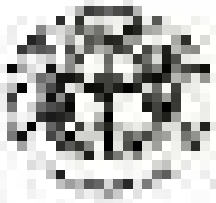

[illegible]

आचार्य नरेंद्र देव की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते उत्तर प्रदेश के राज्यपाल राम नाईक के साथ भारत सेवा संस्थान के उपाध्यक्ष डा. दाऊजी गुप्त।

श्रद्धेय चन्द्रभान गुप्त की जन्मोत्सव समारोह में भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष माननीय भगवती सिंह, महामंत्री जे.एन. मिश्र, कोषाध्यक्ष अशोक वाजपेयी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति ने अपने-अपने विचार रखे।

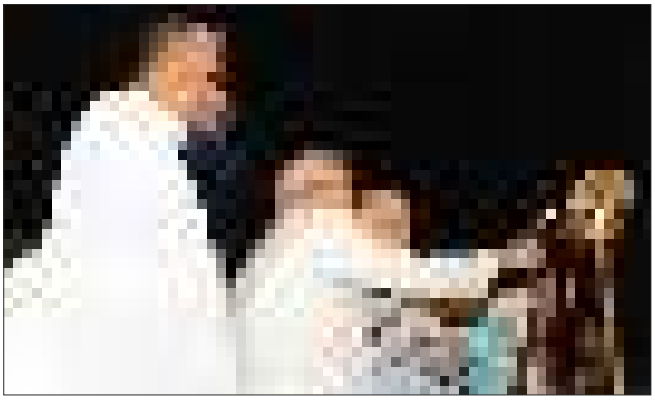

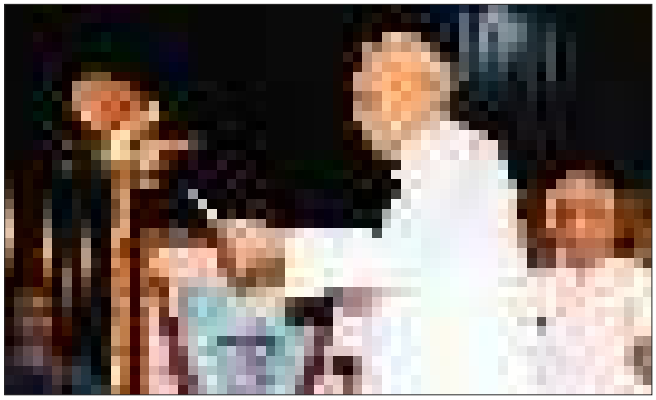

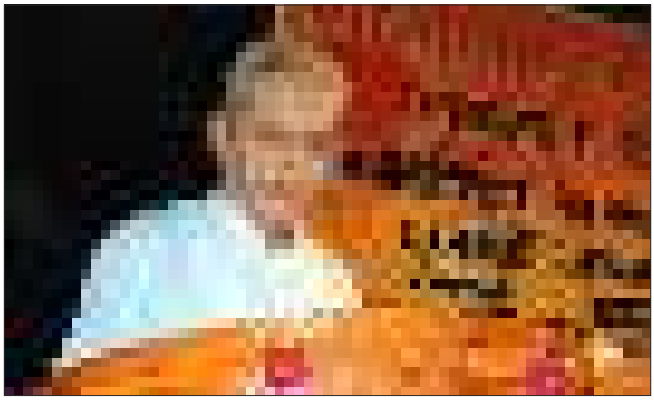

श्रद्धेय चन्द्रभान गुप्त की जन्मोत्सव समारोह में भारत सेवा संस्थान के अध्यक्ष माननीय भगवती सिंह, महामंत्री जे.एन. मिश्र, कोषाध्यक्ष अशोक वाजपेयी (ऊपर) व हवन पूजन करते संस्था के अध्यक्ष मा. भगवती सिंह जी।

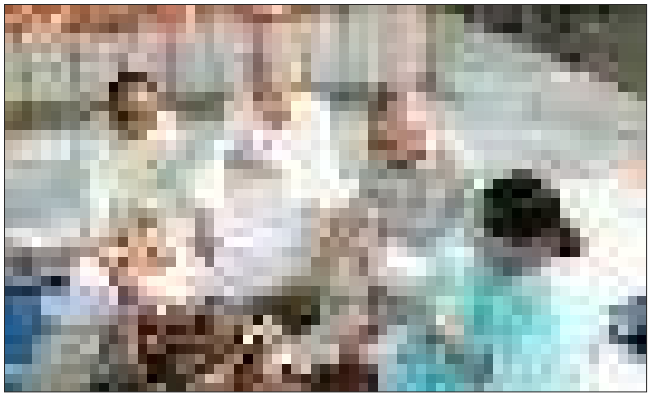
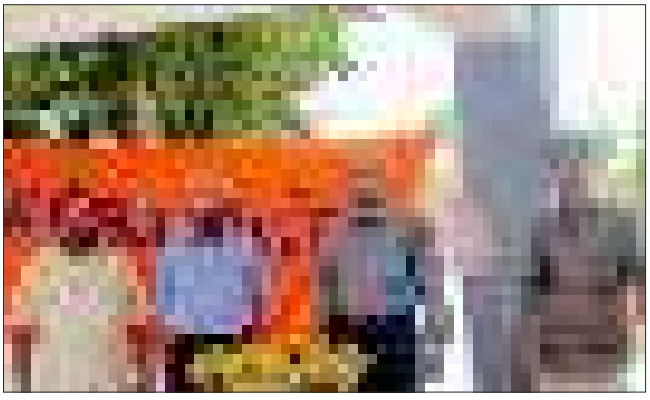
हर साल के भांति इस वर्ष भी श्रद्धेय चन्द्रभान गुप्त की जन्मोत्सव के मौके पर कुष्ठ रोगियों को भोजन के साथ-साथ फल वितरण करते भारत सेवा संस्थान के कर्मयोगी सदस्य।